श्याम हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 204 | गुवाहाटी | गुरुवार, 22 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विहिप ने संदेशखाली मुद्दे पर प.बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की — पेज 2
केआईयूजी अष्टलक्ष्मी में महिलाओं के लिए लगी हैं सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें — पेज 3
बिहार के लखीसराय में सड़क हादसा नौ की मौत, पांच की हालत नाजुक — पेज 5
भारतीय महिला टीम विश्व चैंपियनशिप के नॉकआउट दौर में, पुरुषों ने ... — पेज 7

अब जेल की हवा खाएंगे जादू टोना से इलाज करने वाले, राज्य में बना नया कानून

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम सरकार ने बुधवार को विधानसभा में एक नया विधान प्रस्तावित किया जिसका उद्देश्य गैर-वैज्ञानिक उपचार पद्धतियों का उन्मूलन है। प्रस्तावित कानून में दुर्भावनापूर्ण इरादे वाले व्यक्तियों द्वारा *जादू से उपचार* को अपराध घोषित करने का प्रावधान है, जिससे यह संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बन जाएगा। इसमें दोषियों के लिए पांच साल तक की कैद और एक लाख रुपए तक का जुर्माना होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा संभाले जाने वाले गृह एवं राजनीतिक विभागों की ओर से संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने सदन में *असम जादू से उपचार (बुराई रोकथाम) प्रथा विधेयक, 2024* पेश किया। विधेयक का उद्देश्य समाज में सामाजिक जागृति लाना और भयावह प्रथाओं से मानव स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक स्वस्थ, विज्ञान-आधारित सुरक्षित वातावरण बनाना है। विधेयक के *उद्देश्यों और कारणों के विवरण* के अनुसार, कोई भी व्यक्ति किसी व्यक्ति की बीमारी, विकार या स्वास्थ्य संबंधित किसी भी दिक्कत को ठीक करने के लिए जादुई उपचार के प्रसार प्रचार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं होगा। इसमें किसी भी व्यक्ति के जादू के जरिये उपचार से बीमारियों को ठीक करने का कोई झूठा दावा करने से संबंधित कोई भी विज्ञापन देने पर रोक का भी प्रावधान है। इसके उद्देश्य और कारणों में कहा गया है कि आम लोगों का शोषण करने के भयावह इरादे से किसी भी व्यक्ति द्वारा जादु से उपचार की बुरी प्रथा उक्त विधेयक के तहत एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध है। विधेयक में कहा गया है कि पहली बार दोषी पाए जाने पर सजा एक साल की होगी जिसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है, या 50,000 रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकती है। इसमें कहा गया है कि इसके बाद दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को पांच साल तक की कैद या एक लाख रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकती है। इसमें कहा गया है कि सतर्कता अधिकारियों को जादू से उपचार की जांच करने का काम सौंपा जाएगा। इसमें कहा गया है ऐसे अधिकारियों का पद उप-निरीक्षक से नीचे नहीं होगा। उधर प्रस्तावित विधेयक की धारा 3 के अनुसार, सरकार को कुछ बीमारियों और स्वास्थ्य विकारों के इलाज के लिए बुरी या जादुई उपचार पद्धतियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार होगा। इसके अलावा, धारा 4 सरकार को ऐसी प्रथाओं के लिए भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने का अधिकार देती है। नए प्रस्तावित विधेयक में अमानवीय, दुष्ट या जादुई उपचार पद्धतियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण धाराएं शामिल किए गए हैं। धारा 5 सरकार को किसी भी कार्य या ऐसी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए दंड देने का अधिकार देती है। धारा 6 में इसे बढ़ाकर एक साल की कैद, जिसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है, या 50 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों दिया जा सकता है। बार-बार अपराध -शेष पृष्ठ दो पर

जनजातीय छात्रों के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर संयुक्त पहल से आदिवासी छात्रों को लाभ होगा : सोनवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा की उपस्थिति में बुधवार को यहां संयुक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य और अनुसंधान एवं विकास पहल की घोषणा की गई। इस दौरान ई-बुक का अनावरण किया गया और अपनी संयुक्त स्वास्थ्य पहल की विवरणिका जारी की गई। इस मौके पर केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि कुपोषण और सिकल सेल रोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

कल्याण रेलवे स्टेशन पर विस्फोटक मिलने से हड़कंप, छानबीन जारी

मुंबई (हि.स.)। कल्याण रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफॉर्म पर एक लावारिस बॉक्स में 54 डेटोनेटर नामक विस्फोटक मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। विस्फोटक की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस, डॉग स्कॉड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया है और छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार कल्याण रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर एस्केलेटर के बगल में लावारिस दो बॉक्स की सूचना बुधवार को अपरान्ह करीब चार -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में प्रसाद बना जहर, छह सौ लोगों की तबीयत बिगड़ी

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रसाद खाने से 500-600 लोगों की तबीयत बिगड़ गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के बुलगाणा जिले के लोनार तहसील के सोमथाना और खापरखेड गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान प्रसाद बांटा गया जिसे खाने के बाद करीब 600 लोगों की तबीयत बिगड़ गई । दरअसल, गांव में धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था और इस कार्यक्रम प्रसाद बांटनें के लिए अमाटी बनाई थी। इस अमाटी को खाते ही लोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुष्ट स्त्री बुद्धिमान व्यक्ति के शरीर को भी निर्बल बना देती है।

- आचार्य चाणक्य

जेल में बंद गरीब कैदियों को केंद्र की सौगात

जमानत दिलाने के लिए जारी किए 20 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जेल में बंद गरीब कैदियों को जमानत दिलाने के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए गृह मंत्रालय ने 20 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। गौरतलब है कि इसका लाभ जेल में बंद उन कैदियों को मिलेगा, जो अपनी जमानत राशि का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखे पत्र में कहा कि प्रत्येक राज्य को निर्बाध धन के प्रवाह के लिए एक खाता खोलना चाहिए, ताकि ये पैसे जरूरतमंद लोगों को दिए जा सकें। गृह मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

ग्रीस के पीएम ने यूएन में भारत की स्थायी सदस्यता की वकालत की

नई दिल्ली (हि.स.)। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने बुधवार को भारतीय लोकतंत्र की प्रशंसा की और देश को वैश्विक शांति व सुरक्षा में महत्वपूर्ण भागीदार बताया। इसके साथ ही उन्होंने भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता की वकालत भी की। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने दिल्ली में आयोजित रायसीना डॉयलॉग में भारत को विश्व की एक महान शक्ति बताया और कहा कि देश शांति और सुरक्षा की खोज में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। भारत जैसे अग्रणी देशों को सर्वोच्च मंच पर प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए ग्रीस संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन करता है। भारत वैश्विक दक्षिण का अग्रणी लोकतंत्र है। जब वैश्विक भविष्य को आकार देने की बात आती है तो दुनिया भारत की ओर देखती है। इसे *सर्वसम्मति निर्माता* के रूप में उचित रूप से माना जाता है। नौवें रायसीना डायलॉग में ग्रीस के प्रधानमंत्री ने अपने देश को यूरोप का प्राकृतिक द्वार बताया। उन्होंने कहा कि डेटा और ऊर्जा के लिए नए गलियारों पर काम हो रहा है। आईएमईसी-भारत मध्य पूर्व यूरोप कॉरिडोर जैसी अभूतपूर्व परियोजनाओं का उद्भव भारत, मध्य पूर्व और यूरोप की विकास अर्थव्यवस्थाओं के बीच सुपरचार्ज कनेक्टिविटी का बड़ा वादा करता है। उन्होंने कहा कि ग्रीस भारत और यूरोप को जोड़ने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। इससे वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण को -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रहे एससी के दिग्गज वकील फली एस नरीमन

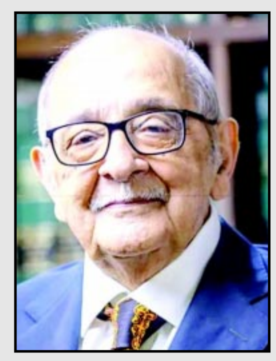

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज वकीलों में से एक फली एस नरीमन का निधन हो गया है। उन्होंने आज (21 फरवरी) 95 की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार के दौरान वो एडिशनल सॉलिसिटर जनरल रहे। फली नरीमन ने कई ऐतिहासिक मामलों में बहस की, जिसमें राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का प्रसिद्ध मामला भी शामिल था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। 10 जनवरी, 1929 को जन्मे नरीमन ने 1972 और 1975 के बीच अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया। उन्होंने आपातकाल के दौरान इस पद से इस्तीफा दे दिया। फली नरीमन को -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

यूपी में 17 लोस सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में सीटों का बंटवारा हो गया है। दोनों ओर से आज आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि हम आगामी लोकसभा चुनाव में मिलकर साथ लड़ेंगे। यह इंडिया गठबंधन के लिए बड़ी खबर है। -शेष पृष्ठ दो पर

सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी किसानों का हक : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित अन्य मुद्दों पर प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों का समर्थन किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी को वह अपने घोषणा पत्र में शामिल करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अगर सभी फसलों पर कानूनी गारंटी नहीं दे सकती तो उसे कम से -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी पन्नू ने दी भारत और इंग्लैंड का मैच रद्द करने की धमकी, रांची में बढ़ाई गई सुरक्षा

रांची। अमेरिका में रहने वाले आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा यहां भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट मैच को बाधित करने की धमकी देने के बाद रांची में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए पन्नू ने सोशल मीडिया पर जारी किए गए एक वीडियो के माध्यम से प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से मैच को बाधित करने की अपील की है। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से यहां जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इंग्लैंड की टीम मंगलवार को यहां पहुंच गई है। गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत और इंग्लैंड की टीम को रांची में मैच रद्द करने की धमकी दी है। उसने मैच रद्द करने के लिए भाकपा (माओवादी) से व्यवधान पैदा करने का आग्रह किया है। हटिया के पुलिस उपाधीक्षक पीके मिश्रा ने मंगलवार को संवाददाताओं -शेष पृष्ठ दो पर

उज्बेकिस्तान में छत गिरने से तीन भारतीय श्रमिकों की मौत

अलमालिक (हि.स.)। उज्बेकिस्तान के अलमालिक शहर में मंगलवार को परियोजना साइट पर छत गिरने से तीन भारतीय श्रमिकों की मौत हो गई। हादसे में 30 श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी पुष्टि वहां स्थित भारतीय दूतावास ने की है। अलमालिक शहर में हुए हादसे की जानकारी देते हुए उज्बेकिस्तान में भारतीय दूतवास ने एक्स पोस्ट में मृतकों परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में 21 साल से कम उम्र के लोगों को नहीं मिलेगी सिगरेट

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को राज्य भर में हुक्का बारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक पारित किया, जिसमें निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए एक से तीन साल तक की कैद और 1 लाख रुपए तक का जुर्माना सहित कठोर दंड का प्रावधान है। अधिसूचना के अनुसार, अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और तंबाकू से संबंधित बीमारियों की लहर को रोकने के लिए मौजूदा सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) में संशोधन के बाद प्रतिबंध लगाया -शेष पृष्ठ दो पर

अगले दो दिन दिल्ली कूच नहीं करेंगे किसान

नई दिल्ली। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी की मांग पर आंदोलन कर रहे किसानों ने अगले दो दिनों तक आंदोलन रोकने का ऐलान किया है। किसानों ने कहा है कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर अगले दो दिनों तक किसान जस के तस बैठे रहेंगे। परसों फिर अपनी रणनीति बनाएंगे। बता दें कि बुधवार को किसान अपना *दिल्ली चलो* आंदोलन फिर से शुरू किया था। शंभू बॉर्डर पर आंदोलनरत किसानों के खिलाफ आंसू गैस के गोले चलाए गए। उसके बाद शंभू बार्डर पर किसान नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि कल और परसों शांति रहेगी। हम नीति बनाएंगे। परसों सामने हम दोनों फोरमों की रणनीति आपके सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों ने अगले दो दिनों के लिए दिल्ली कूच आंदोलन के स्टे का ऐलान किया है। अगले दो दिनों तक आगे ना बढ़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर हरियाणा सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

कृषि मंत्री ने आंदोलित किसानों को वार्ता के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समेत अन्य मांगों को लेकर पिछले नौ दिनों से दिल्ली के पास आंदोलित किसानों के साथ केंद्र सरकार हर संभव वार्ता के लिए तैयार है। वह किसानों के हित में इस मुद्दे पर शांतिपूर्ण समाधान चाहती है। अभी तक चार दौर की वार्ता के बावजूद आंदोलन पर अड़े किसानों को केंद्र ने पांचवे दौर की बातचीत के -शेष पृष्ठ दो पर

मैसूर पेंट्स लोस चुनाव में 26 लाख से अधिक शीशियां कराएगा उपलब्ध

नई दिल्ली। मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विभिन्न राज्यों में अमिट स्याही की 26 लाख से अधिक शीशियां उपलब्ध कराने का काम सौंपा गया। यह वही स्याही है जो मतदाता की बायीं तर्जनी (इंडेक्स फिंगर) पर गहरा बैंगनी निशान छोड़ती है। यह स्याही किसी व्यक्ति की बायीं तर्जनी पर इस बात के प्रमाण के रूप में लगाई जाती है कि उसने वोट डाला है। कर्नाटक सरकार का उपक्रम 1962 से केवल चुनाव आयोग के लिए स्याही का निर्माण कर रहा है। मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के मोहम्मद इरफान ने बताया कि हमारा कुल ऑर्डर स्याही की लगभग 26.5 लाख शीशियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विहिप ने संदेशखाली मुद्दे पर प.बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने संदेशखाली मुद्दे पर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। विहिप के केंद्रीय कार्याध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने बुधवार को कहा कि संदेशखाली की बर्बरता और उसको मिले राज्य सरकार के संरक्षण, समर्थन और प्रश्रय ने स्पष्ट कर दिया है कि वहां अब संविधान का नहीं, अराजकता व बर्बरता का साम्राज्य है। इसलिए पीड़ितों को न्याय तथा अराजकता पर अंकुश के लिए वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। उल्लेखनीय है कि 4-5 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम 24 परगना के संदेशखाली गांव में शेख शाहजहां के यहां पीडीएस स्कैम के विषय में जांच करने गई थी। जांच के दौरान वहां सत्ता-धारी पार्टी के सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए, नारे लगाए, ईडी की कारों में तोड़फोड़ की गई। जांच कर रहे अफसरों का सामान छीन लिया गया और उसमें से तीन लोग इतने गंभीर रूप से घायल हो गए कि उनको तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। विहिप कार्याध्यक्ष के अनुसार यह देश की सत्ता को चुनौती थी। वहां के राज्यपाल और न्यायिक व्यवस्था ने भी इस पर चिंता व्यक्त की है। इस विषय पर जब आगे जांच की गई तो बड़े हृदयविदारक तथ्य सामने आए। पता चला कि शेख शाहजहां का संदेशखाली में राज चलता है, पुलिस या सरकार का नहीं। वह जबरन लोगों की जमीनों पर कब्जा करता है जिसका लोगों के पास कोई रास्ता नहीं होता। महिला आयोग व इसकी अध्यक्ष ने इस विषय की स्वयं जांच की है। वहां के हाई कोर्ट ने भी इस विषय की जांच की है और जांच के बाद यह सामने आया कि शाहजहां और उसके समर्थकों को वहां की महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और बलात्कार की खुली छूट थी। स्थिति इतनी भयावह थी कि पीड़ितों की एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। यहां तक स्थिति यह हो गई थी कि उन लोगों को यदि कोई लड़की पसंद आती थी तो वह उस लड़की के परिवार को संदेश भेजते थे कि उस लड़की को पार्टी ऑफिस छोड़ जाओ। आतंक का मारा वह परिवार अपनी उस लड़की को वहां उनके पास छोड़ने जाता और अगला संदेश मिलने पर वापस लाता था। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा है कि उन्हें महिला यौन शोषण से संबंधित 18 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से दो शिकायतें बलात्कार की हैं। विहिप नेता ने कहा कि यह समय है कि ममता बनर्जी इस पर विचार करें कि क्या वहां कानून का शासन चल रहा है। क्या वहां की सरकार संविधान के अनुसार राज्य को चला पा रही है। आरोप इतने गंभीर हैं कि यह विचार करने का समय आ गया है कि बंगाल में अब राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाए।

सूडान के रीक गतकुओथ को *हैप्पी हंटिंग स्पेस* में प्रतिस्पर्धा करने में आ रहा मजा

गुवाहाटी (हिंस)। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) सूडान के रीक गतकुओथ के लिए एक सुखद शिकार स्थल रहा है, जो गत चैंपियन इकाई के सदस्य के रूप में गुवाहाटी में उतरे थे। गतकुओथ जैन विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं, जो केआईयूजी 2023 अष्टलक्ष्मी में पुरुषों की बास्केटबॉल स्पर्धाओं के सेमीफाइनल में पंजाब विश्वविद्यालय से 87-89 से हार गया। गतकुओथ, जो दक्षिण सूडान में पैदा हुए थे लेकिन केन्या में पले-बढ़े, दो साल पहले जैन विश्वविद्यालय में शामिल हुए, और पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, गुवाहाटी में दिल टूटने से वह प्रेरित रहता है, क्योंकि वह विश्वविद्यालय में एक और वर्ष और संभवत: पोडियम फिनिश पर एक और शॉट का इंतजार कर रहा है। गतकुओथ ने कहा कि मैं मूल रूप से दक्षिण सूडान से हूं लेकिन मैं हाई स्कूल तक केन्या में पढ़ा, फिर मैं भारत आ गया और बैंग्लोर में जैन विश्वविद्यालय में शामिल हो गया। यह न केवल जैन विश्वविद्यालय में मेरा दूसरा वर्ष है, बल्कि मेरा दूसरा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भी है, उम्मीद है कि एक और वर्ष रहेगा। पिछले साल हमने स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर उपकरण वहां नहीं हैं और अच्छी अदालतें भी नहीं हैं लेकिन वहां मुकाबला कड़ा है। मान लीजिए कि जब आप खेलने जाते हैं तो एक कोर्ट होता है, आपको लंबे खिलाड़ी, मजबूत कद-काठी वाले खिलाड़ी मिलेंगे, भारत की तुलना में प्रतिस्पर्धा कठिन होगी, ऐसा मुझे लगता है। गतकुओथ ने बताया कि जो महान केविन ड्यूरेंट को अपने आदर्श के रूप में देखते हैं, प्रशिक्षण के लिए कनाडा जाने की उनकी योजना पटरी से उतरने के बाद भारत आ गए। मेरा भाई पहले से ही भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था, और मुझे आगे की ट्रेनिंग के लिए कनाडा जाना था। लेकिन प्रक्रिया में देरी हो गई इसलिए मेरे पिता ने मुझे बीसीए करने के लिए भारत भेज दिया।

एक महान बुद्धिजीवी थे वरिष्ठ वकील नरीमन : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के दिग्गज वकील फली एस नरीमन का 95 साल की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कानून के विशेषज्ञ और अनुभवी वकील फली एस नरीमन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह *महान बुद्धिजीवी* थे। चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत में कार्यवाही शुरू करते हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा कि मिस्टर अटॉर्नी जनरल, हम फली नरीमन के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। वह एक महान बुद्धिजीवी थे। नरीमन हृदय संबंधी समस्याओं सहित कई बीमारियों से पीड़ित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि फली नरीमन सबसे उत्कृष्ट कानूनी दिमाग और बुद्धिजीवियों में से थे। उन्होंने अपना जीवन आम नागरिकों के लिए न्याय को सुलभ बनाने के लिए समर्पित कर दिया। उनके निधन से मुझे दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

अवैध देशी शराब के मामले में 3747 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। अवैध देशी शराब के मामले में 3747 लोगों को गिरफ्तार किया है। असम विधानसभा के चालू बजट सत्र में आज विधायक रूपेश ग्वाला के एक प्रश्न के उत्तर में राज्य के आबकारी मंत्री परिमल शुक्ल विद्या ने बताया कि वर्ष 202324 में राज्य के चाय बागान तथा ग्रामीण इलाकों में इस संदर्भ में दर्ज कराए गए 16493 मामलों में इन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के उत्पादन और बिक्री के विरुद्ध चलाए गए अभियान के दौरान 1,48,090.50 लीटर अवैध शराब जब्त किया गया। मंत्री ने बताया कि इस सिलसिले में इस वर्ष राज्य में 58,59,809.00 रुपए जुर्माना वसुल किए गए। मंत्री ने बताया कि राज्य के ग्रामीण तथा चाय बागान इलाकों में अवैध शराब के विरुद्ध जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। सरकार सरकार ने अवैध शराब के विरुद्ध शक्ति बढ़ाते हुए वर्ष 2018 के 22 मार्च को एक अधिसूचना जारी किया था और उनके इस अधिसूचना के जरिए असम आबकारी कानून 2000 में संशोधन करके अवैध शराब के कारोबार को गैर जमाती अपराध के दायरे में ले जाया गया था। इस अधिसूचना के जरिए इस अपराध के लिए कारावास की सजा को न्यूनतम 6 माह से बढ़कर 3 वर्ष तक कर दिया गया था साथ ही असम पुलिस को अवैध शराब से संबंधित प्राथमिक की दर्ज करने का अधिकार दिया गया था।

राज्यपाल ने राज्य पुरस्कार का किया वितरण

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने आज इटानगर के राजभवन के दरबार हॉल में एक समारोह में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए राज्य पुरस्कार और मुख्यमंत्री पुरस्कार प्रदान किया। राज्य की प्रथम महिला अनाघा परनायक, मुख्यमंत्री पेमा खांडू, विधानसभा अध्यक्ष पासंग दोर्जी सोना, कैबिनेट मंत्री, विशिष्ट अतिथि और आमंत्रित लोग राज्य समारोह में शामिल हुए। विशेष अवसर पर हाई टी पर बातचीत करते हुए राज्यपाल ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार विजेताओं के कार्य उनके साथियों और राज्य के अन्य नागरिकों को प्रेरित करेंगे।

संवाददाता की पिटाई के विरोध में पत्रकार संगठनों ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया), दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन और एनयूजे उत्तर प्रदेश ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में एक पत्रकार की पिटाई के विरोध में बुधवार को दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। पत्रकार संगठनों ने रायबरेली (उप्र) में इंडिया न्यूज के संवाददाता शिवप्रसाद यादव की पिटाई करने वाले कांग्रेसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एनयूजे (आई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी, महासचिव प्रदीप तिवारी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रमोद गोस्वामी, दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश थपलियाल और एनयूजे उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना ने एक संयुक्त बयान में कहा है कि इंडिया न्यूज संवाददाता ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के यात्रा में शामिल न होने पर सवाल पूछा था। हो सकता है कि अखिलेश यादव से राहुल गांधी की नाराजगी हो, पर उसका गुस्सा पत्रकार पर क्यों उतारा गया। रास बिहारी ने कहा कि लोकतंत्र में राजनैतिक दलों के नेताओं को बयानबाजी की स्वतंत्रता मिली है तो मीडिया को प्रश्न पूछने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि लगता है कि कांग्रेस के नेता अपने खिसकते जनाधार के कारण बौखलाकर बार-बार मीडिया को अपमानित कर रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान को अपने प्रवक्ताओं और नेताओं को प्रश्न पूछने पर सही जबाव देने के लिए प्रशिक्षण देने की जरूरत है। एनयूजे महासचिव प्रदीप तिवारी ने कहा कि भोपाल में कांग्रेस कार्यालय में भी पत्रकारों की पिटाई की गई। एनयूजे उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना ने कहा कि मीडियाकर्मियों पर हमलों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

अब जेल की हवा...

करने पर दोषी को पांच साल तक की जेल या एक लाख रुपए का जुर्माना या दोनों दिया सकता है। इसके अलावा, धारा 9 सरकार को पुलिस अधिकारियों को सतर्कता अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का अधिकार देती है। विधेयक की धारा 16 सरकार को विधेयक के प्रावधानों को लागू करने के लिए नियम बनाने का अधिकार देती है। यह कानून राज्य से अंधविश्वास को दूर करने में कारगर साबित होगा सरकार द्वारा ऐसी उम्मीद जताई गई है।

जनजातीय छात्रों के ...

स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक हस्तक्षेप के माध्यम से इस परियोजना से 20,000 से अधिक आदिवासी छात्रों को लाभ होगा। सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि 2022 में आयुष मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौते को आगे बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है। परियोजना का लक्ष्य 6वीं से 12वीं कक्षा में नामांकित छात्रों की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति की जांच करना है। इस मौके पर अर्जुन मुंडा ने कहा कि इस परियोजना को शुरू करने से हमारे एकलव्य छात्रों के बीच बीमारियों की व्यापकता और स्वास्थ्य प्रबंधन की पहचान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य की जांच करने के लिए देश के 14 राज्यों में फैले चयनित 55 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में स्क्रीनिंग की जाएगी। उल्लेखनीय है कि ईएमआरएस दूरदराज के क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं ताकि वे उच्च और व्यावसायिक शैक्षिक पाठ्यक्रमों में अवसरों का लाभ उठा सकें और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकें। वर्तमान में खेल और कौशल विकास में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष अत्याधुनिक सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले देश भर में 401 कार्यात्मक स्कूल हैं।

कल्याण रेलवे स्टेशन ...

बजे रेलवे पुलिस को मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस की टीम, डॉग स्कॉड और बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंची। डॉग स्कॉड ने सूंघकर बाक्स में विस्फोटक होने का संकेत दिया। इसके बाद इस बॉक्स की छानबीन बम निरोधक दस्ते ने की और बॉक्स में 54 डेटोनेटर पाए गए जिससे स्टेशन इलाके में हड़कंप मच गया। कल्याण रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी आवाजाही रहती है। व्यस्त समय में यह घटना सामने आते ही स्टेशन क्षेत्र में हड़कंप मच गया। फिलहाल रेलवे पुलिस, बम स्क्वॉड, कल्याण डीसीपी घटना की जांच कर रहे हैं। इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि कल्याण रेलवे स्टेशन पर विस्फोटक कौन लाया, कब लाया, रेलवे स्टेशन पर क्यों रखा। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों को पैनिक न होने की अपील की है।

महाराष्ट्र में प्रसाद ...

हालत बिगड़ गई है। और प्रशासन ने तत्काल कार्यवाई करते हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराई है, जहां सभी लोगों की इलाज चल रही है। प्रशासन के अनुसार, बीबी ग्रामीण अस्पताल, मेहकर ग्रामीण अस्पताल, लोनार ग्रामीण अस्पताल, सुल्तानपुर और कुछ निजी अस्पतालों ने इन सभी लोगों को भर्ती किया है, जहां डॉक्टरों की टीमें उनकी इलाज करने में जुटी हुई हैं। इस घटना के बाद गांव में लोगों के बीच दहशत का माहौल पैदा हो गया है फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

जमानत दिलाने के...

द्वारा जारी नोटिस में कहा गया कि मंत्रालय ने सालाना 20 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है, जिसका इस्तेमाल राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की जेलों में बंद गरीब कैदियों को जमानत दिलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए राज्यों को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया था। गृह मंत्रालय के नोटिस में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी जिलों में सशक्त समितियां और प्रदेश मुख्यालय स्तर पर निगरानी समिति का गठन करने को कहा गया था। साथ ही राज्य या केंद्रशासित प्रदेश मुख्यालय स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा, जो प्रक्रिया या दिशा-निर्देशों के बारे में कोई स्पष्टीकरण मांगने के लिए गृह मंत्रालय या केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के साथ जुड़ सकता है।

ग्रीस के पीएम ने ...

कनेक्टिविटी मिलेगी। प्राचीन काल से उनके देश से होकर जाते गलियारे से वस्तुओं, ज्ञान और बुद्धिमत्ता के आदान-प्रदान होता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और ग्रीस के बीच संबंध सम्मान, मित्रता, मूल्यों और हमारे लोगों को प्रगति और समृद्धि देखने की आपसी इच्छा पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और कई देशों के विदेश मंत्रियों ने आज रायसीना डॉयलॉग में भाग लिया। ग्रीस के प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने साबित किया है कि लोकतंत्र आर्थिक विकास ला सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा स्तर लोकतंत्र के लिए बाधा है, इस गलत धारणा को भारत चुनौती देता है। 1.4 अरब की आबादी के साथ भारत दुनिया के लिए उदाहरण है। उन्होंने वर्ष 2024 को भू-राजनीतिक दृष्टि से महत्व का बताया और कहा कि दुनिया की आधी आबादी इस साल मतदान के जरिए अपना प्रतिनिधि चुनेंगे। ग्रीस के प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के प्रति सतर्कता का आह्वान किया और इस संदर्भ में कृत्तिम बुद्धिमत्ता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत एआई के लिए फ्रेमवर्क बनाने वाला अग्रणी देश बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और ग्रीस लोकतंत्र को एक बाधा के रूप में नहीं बल्कि शासन के बेहतर वितरण के लिए एक समर्थकारी के रूप में देखते हैं।

आतंकी पन्नू ने दी...

से कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के तहत धुर्वा पुलिस थाने में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पन्नू के खिलाफ 2019 में संघीय एजेंसी राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पहला मामला दर्ज किया था। तभी से पन्नू एनआईए की रडार पर है। विशेष एनआईए अदालत ने पन्नू के खिलाफ तीन फरवरी, 2021 को गिरफ्तारी का गैर-जमानती वारंट जारी किया था और उसे पिछले साल 29 नवंबर को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था।

उज्बेकिस्तान में छत...

इस हादसे पर भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अलमालिक सिटी हॉस्पिटल में उपचार करा रहे पीड़ितों से मुलाकात की। दूतावास ने कहा कि पीड़ितों की यथासंभव मदद सुनिश्चित करने के लिए हम नियोक्ता कंपनी और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। मृतकों व घायलों के परिजनों से दूतावास व नियोक्ता कंपनी द्वारा संपर्क किया जा रहा है।

कर्नाटक में 21 ...

गया है। इसके अतिरिक्त, राज्य ने 21 वर्ष से कम उम्र के लोगों को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। संशोधित विधेयक धूम्रपान मुक्त वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू उत्पादों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। नियम का उल्लंघन करने पर 1,000 रुपए का जुर्माना लग सकता है। कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के बारे में बोलते हुए कह कि यह एक निर्णय है जो सरकार ने लिया है। किशोरावस्था में बहुत सारे युवा इन जगहों पर पाए जाते हैं। स्वास्थ्य एवं कानून व्यवस्था के हित में सरकार ने यह निर्णय लिया है। कर्नाटक सरकार की यह कार्रवाई डब्ल्यूएचओ ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे-2016-17 (गेट्स-2) द्वारा साझा किए गए *खतरनाक डेटा* की पृष्ठभूमि पर आई है, जिसमें दावा किया गया है कि कर्नाटक में 22.8 प्रतिशत वयस्क तंबाकू का उपयोग करते हैं, जिनमें से 8.8 प्रतिशत धूम्रपान करने वाले हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य में 23.9 प्रतिशत वयस्क निष्क्रिय धूम्रपान करने वाले हैं।

नहीं रहे एससी ...

जनवरी 1991 में पद्म भूषण मिला और 2007 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनके बेटे रोहिंटन नरीमन, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे। उनके निधन शोक प्रकट करते हुए सुप्रीम कोर्ट के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर लिखा कि वे एक लिविंग लीजेंड थे, जिन्हें कानून और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग हमेशा याद करेंगे। अपनी उपलब्धियों के अलावा, वह अपने सिद्धांतों पर अटल रहे। अभिषेक सिंघवी ने आगे लिखा कि उन्होंने कहा था कि इंसानों की गलती पर हॉर्स ट्रेडिंग वाक्य का इस्तेमाल घोड़ों का अपमान है, जो बहुत वफादार जानवर हैं। वह इतिहास के गूढ़ रहस्य खोज निकालते थे और बोलते समय अपनी बुद्धि से उन्हें अतुलनीय ढंग से जोड़ते थे।

अगले दो दिन...

खनौरी और शम्भू बार्डर पर बर्बरता की कारवाई किया है, जबकि हमने शातिपूर्ण प्रदर्शन किया है। कई जख्मी हैं। सरकार की बदनियती है। सरकार सीधा गोली चला रही है। एक किसान की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि खनौरी बॉर्डर पर 22 साल के शुभकरन सिंह की मौत हो गई है। हमारा शांतिपूर्ण तरीके से कूच था, लेकिन ये सब हुआ। इस हालत में वार्ता जारी रखना ठीक नहीं है। इसलिए दो दिनों का विश्राम लिया है। खनौरी बॉर्डर पर हिंसा हुई। मेडिकल कैम्प के ऊपर शेलिंग की गई। उन्होंने कहा कि पहले जो दो किसान मरे हैं। उनमें से एक की डेड बॉडी अभी भी अस्पताल में है। 5 लाख का मुआवजा भी अभी तक नहीं दिया गया। सरकार की नियत सबके सामने है। हमारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन था। अगर पंजाब सरकार रोकती है तो उसका भी रुख देखेंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक सरकार से बातचीत की कोई चिट्ठी नहीं आई है। अगर बैठक का बुलावा आया तो विचार करेंगे। दूसरी ओर, संयुक्त किसान मोर्चा ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि पंजाब सीमा पर किसानों के क्रूर पुलिस दमन और हत्या का कड़ा विरोध करता है। प्रधानमंत्री और कार्यकारी किसानों के साथ समझौते को लागू नहीं कर रहे हैं और वर्तमान संकट के लिए जिम्मेदार हैं। 22 फरवरी को एसकेएम की एनसीसी और जीबी बैठक संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगी। एसकेएम ने क्रूर पुलिस दमन और हरियाणा पंजाब सीमा पर पुलिस गोलीबारी में भटिंडा जिले के बल्लो गांव के किसान शुभकरण सिंह (23) की हत्या का कड़ा विरोध किया। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार दमन में लगभग पंद्रह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह किसान परिवारों के रोजी-रोटी कमाने वालों पर क्रूर हमला है, जब वे केवल प्रधान मंत्री द्वारा किए गए लिखित वादों के कार्यान्वयन के लिए विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसकेएम के साथ हस्ताक्षरित समझौते को लागू करने में विफल रहे, वर्तमान संकट के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। एसकेएम पंजाब सीमा पर मामलों की स्थिति को गंभीरता से ले रहा है और 22 फरवरी को राष्ट्रीय समन्वय समिति और आम सभा की बैठक में स्थिति पर व्यापक चर्चा की जाएगी और संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि मंत्री ने आंदोलित ...

लिए आमंत्रित किया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को कहा कि सरकार एमएसपी की मांग, फसल विविधीकरण, पराली एवं पिछले आंदोलन के दौरान किसानों के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी को हटाने जैसे मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार है। कृषि मंत्री ने किसानों से यह अपील वैसे वक्त में की है, जब शंभू और खनौरी बार्डर पर हालात तनावपूर्ण बना हुआ है। सरकार के आग्रह की अनदेखी करते हुए आंदोलित किसान जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर-ट्राली लेकर दिल्ली में प्रवेश के लिए प्रयासरत हैं। कृषि मंत्री ने प्रदर्शनकारी किसानों से शांति बनाए रखने और समाधान तलाशने के लिए बातचीत में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने किसानों से ही समाधान के लिए सुझाव मांगा है, ताकि सर्वसम्मत रास्ता निकल सके। केंद्र सरकार ने सुलह की कोशिश करते हुए पिछले दौर की बातचीत में पांच फसलों की अगले पांच वर्षों के लिए एमएसपी पर खरीदारी की गारंटी देते हुए किसानों से आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया था। सरकार के इस प्रस्ताव पर किसानों ने उस दिन तो सुलह का संकेत दिया था, लेकिन एक दिन बाद ही पलट गए। उसके बाद से ही पंजाब एवं हरियाणा के पास दिल्ली की सीमा का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है। सनद रहे कि किसानों का *दिल्ली मार्च* 13 फरवरी को प्रारंभ हुआ था। तभी से किसान सीमा पर जमे हुए हैं। 18 फरवरी को किसान नेताओं के साथ चंडीगढ़ में चौथे दौर की बातचीत में तीन केंद्रीय मंत्रियों अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल एवं नित्यानंद राय की टीम ने सरकारी एजेंसियों द्वारा अगले पांच वर्षों तक एमएसपी पर दाल, मक्का एवं कपास की सौ प्रतिशत खरीदारी का प्रस्ताव दिया था, लेकिन किसान नेताओं ने इसे स्वीकार नहीं किया।

मैसूर पेंट्स लोस ...

का है। आज तक, कुल सामग्री का लगभग 60 प्रतिशत राज्यों को भेज दिया गया है। मोहम्मद इरफान ने बताया कि लगभग 24 राज्यों को उनके हिस्से की स्याही उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने कहा कि शेष ऑर्डर 20 मार्च के आसपास पूरा किया जाएगा। स्याही की 10 मिलीलीटर की शीशी का उपयोग लगभग 700 लोगों की उंगलियों पर निशान लगाने के लिए किया जा सकता है। एक मतदान केंद्र पर करीब 1200 मतदाता हैं। अप्रैल-मई में होने वाले चुनावों के लिए 12 लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। स्याही का विकास दिल्ली स्थित औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला द्वारा किया गया था। अमिट स्याही का निशान आमतौर पर त्वचा पर लगाने पर तीन दिनों तक रहने की उम्मीद होती है, लेकिन नाखून पर कुछ हफ्तों तक रहता है। कोविड-19 का प्रकोप शायद एकमात्र मौका था जब चुनाव आयोग ने गैर-चुनावी उद्देश्यों के लिए स्याही के उपयोग की अनुमति दी थी। कुछ राज्यों ने महामारी के दौरान होम क्वारंटाइन के तहत लोगों की पहचान करने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। इरफान ने कहा कि पहले स्याही की आपूर्ति कांच की शीशियों में की जाती थी लेकिन अब प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। चुनाव आयोग के अनुसार, जनवरी में भारत में लगभग 97 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से अधिकतम 15.30 करोड़ से अधिक उत्तर प्रदेश में और न्यूनतम 57,500 लक्षद्वीप में हैं।

यूपी में 17 लोस ...

कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि यह निर्णय लिया गया है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 63 सीटों पर सपा और अन्य दलों के इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ??ने कहा ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगी। इस रणनीतिक गठबंधन का लक्ष्य भारत गठबंधन को मजबूत करना है, जिससे 2024 में सरकार बनाने की संभावना बढ़ जाएगी। गैर-भाजपा वोटों को एकजुट करके, गठबंधन अपनी चुनावी ताकत बढ़ाना चाहता है। सूत्रों से पता चला है कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बातचीत की शुरुआत की और राहुल गांधी से इस मामले पर चर्चा करने के बाद अखिलेश यादव से बात की। जाहिर तौर पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की आज सुबह फोन पर अखिलेश से बातचीत के बाद सीट बंटवारे पर मंडरा रहे बादल छंट गए। इससे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को संकेत दिया कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन पटरी पर है और औपचारिक घोषणा बहुत जल्द होगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सबसे पुरानी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत पर कहा अंत भला तो सब भला। हां, गठबंधन होगा। कोई संघर्ष नहीं है। जल्द ही सब कुछ सामने आ जाएगा और स्पष्ट हो जाएगा। यह पूछे जाने पर कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जितने हम चुनाव लड़ सकते हैं। अधिकतम।

सभी फसलों पर ...

कम महत्वपूर्ण फसलों पर एमएसपी की गारंटी देनी ही चाहिए। किसान जो मांग कर रह हैं वह उनका अधिकार है। केंद्र सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक सभा में कहा था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वह किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे।

केआईयूजी अष्टलक्ष्मी में महिलाओं के लिए लगी हैं सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें

गुवाहाटी (हिंस)। महिलाओं को स्वच्छता सुविधा मुहैया कराने और मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता पर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-अष्टलक्ष्मी के आयोजकों ने गुवाहाटी के सभी आयोजन स्थलों पर सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई है। साथ ही इस्तेमाल में लाए गए सैनिटरी नैपकीन के निपटान के लिए पर्यावरण-अनुकूल मशीनें लगाई गई हैं। महिलाओं की सुरक्षा के संबंधी पर्याप्त उपाय किए गए हैं। शहर में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) के सभी आयोजन स्थलों पर महिला शौचालयों में मशीनें स्थापित की गई हैं, जिनके उपयोग संबंधी निर्देश स्पष्ट रूप से दिए गए हैं। महिला एथलीटों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की सुविधा के लिए निर्देश तीन भाषाओं- असमिया, अंग्रेजी और हिंदी में मुद्रित किए गए हैं। असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा ने कहा कि यह व्यवस्था सभी आयोजन स्थलों पर स्थायी होगी और जमीनी स्तर पर मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए अन्य खेल परिसरों में भी धीरे-धीरे वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। नंदिता गार्लोसा ने कहा कि वेंडिंग मशीन से सैनिटरी पैड की वर्तमान व्यवस्था खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पूरा होने के बाद भी सभी खेल परिसरों में एक स्थायी रूप से रहेगी। यह अन्य खेल परिसरों में भी होगा। वेंडिंग मशीनें लगाने के पीछे का उद्देश्य न केवल जागरूकता पैदा करना और महिला एथलीटों के स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने के लिए सशक्त बनाना है। आने वाले दिनों में, आयोजक महिला स्वच्छता पर जागरूकता पैदा करने और मासिक धर्म से जुड़े मुद्दों चर्चा को सामान्य बनाने के लिए वालंटियर्स और एथलीटों के लिए वर्कशाप आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि वर्कशाप प्रमुख स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित की जाएंगी। केआईयूजी के आयोजकों ने इवेंट में भाग लेने वाली महिला एथलीटों और विश्वविद्यालयों के कोचों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। सभी महिला प्रतिभागियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए वर्तमान में चार समर्पित हेल्पलाइन नंबर उपयोग में हैं। महिलाओं से संबंधित मुद्दों और शिकायतों के लिए चार महिला अधिकारियों से निम्नलिखित फोन नंबरों पर संपर्क करने को कहा गया है - 98641-13251, 98641-81463, 84720-04177 और 70863-35296। अधिकारी ने बताया कि अभी तक हेल्पलाइन पर कोई कॉल नहीं आई है, जो इस बात का सबूत है कि खेलों के आयोजन के लिए कैसे सुरक्षित माहौल तैयार किया गया है।

बंदूक छोड़ अल्फाइयों ने शुरू की खेती

दरंग (हिंस)। दरंग जिला में पूर्व यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) का एक समूह बंदूकें छोड़कर खेतों में मेहनत-मशक्कत कर आत्मनिर्भर की राह पर चलना शुरू कर दिया है। सरकार से मिली जमीन पर अल्फा के समूह खेती कर रहा है और वहीं उन्होंने महिलाओं के एक वर्ग को खेतों में काम करने का अवसर भी दिया है। दरंग जिले के विभिन्न हिस्सों में लगभग 350 बीघा भूमि पर अल्फा के 15 पूर्व सदस्य बंदूकें छोड़कर धान, सरसों, मक्का और सेब की उन्नत किस्मों की खेती कर रहे हैं। इन लोगों ने लगभग 35 बीघा भूमि पर आलू की उन्नत किस्मों की खेती कर रखी है। इन पूर्व अल्फाइयों को कृषि करने के लिए असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही पूर्व उल्फाई प्राणजित सैकिया ने प्रोत्साहित किया है। हालांकि, उपज को नुकसान से बचाने के लिए भंडारण की अधिक व्यवस्था नहीं है। उल्लेखनीय है कि एक समय हाथों में बंदूक लेकर घने जंगलों में रहकर समाज के लिए सिरदर्द बने अल्फाई अब समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। लोगों ने उल्फाइयों के इस कदम की सराहना की है। साथ ही अन्य लोगों से इससे सीख मिलने की भी बात कही जा रही है।

मंत्री पीयूष ने *ग्राफिक्स डिजाइन यूनिट* अनुसूचित जाति के 60 बेरोजगारों को वितरित की

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सूचना और जनसंपर्क मंत्री, पीयूष हजारिका ने बुधवार को जनता भवन में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशालय, असम द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया और राज्य में अनुसूचित जाति के 60 बेरोजगार युवाओं के बीच औपचारिक रूप से *ग्राफिक्स डिजाइन यूनिट* वितरित की। निदेशालय ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुसूचित जाति हेतु स्वयंसेवी योजना के तहत राज्य में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित आठ विधानसभा क्षेत्रों जगीरोड, देरगांव, धलाई, दक्षिण अभयपुरी, बोको, रहा, राताबाड़ी और मंगलदै के 60 युवाओं के लिए ग्राफिक डिजाइन यूनिट उपलब्ध कराए। ग्राफिक डिजाइन यूनिट युवाओं को लोगो, ब्रोशर, वेबसाइट, विज्ञापन आदि डिजाइन करने के साथ-साथ टी-शर्ट, टोपी, कप आदि पर प्रिंटिंग करके स्वरोजगार करने में सक्षम बनाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री में कहा कि असम सरकार राज्य के सभी वर्गों के लोगों के समान विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि भारत के संविधान ने सरकार को अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़े वर्गों के विकास के लिए काम करने का विशेष अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अतीत में सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के माध्यम से इस संबंध में कई कार्य किए हैं। पिछले वर्ष एक करोड़ 70 लाख तथा एक करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से अनुसूचित जाति बहुल इलाकों में क्रमशः लगभग 250 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण और अनुसूचित जाति बहुल गांवों में 52 मिनी स्टेडियम का निर्माण करवाया। मंत्री हजारिका ने कहा कि पिछले साल अनुसूचित जाति के गांवों में लगभग 500 नामघरों को विभाग के जरिए 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। मंत्री ने यह भी कहा कि बाढ़ प्रभावित राज्य के रूप में जाने जाने वाले असम में पूर्व में मुख्यमंत्री के सच्चे हित के साथ जल संसाधन विभाग ने मोरीगांव, माजुली, धेमाजी आदि जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों में बाढ़ के प्रकोप को कम करने के लिए दिन-रात काम किया है। आमतौर पर नदी क्षेत्रों में रहने वाली अनुसूचित जातियां हमेशा बाढ़ से सबसे पहले प्रभावित होती रही हैं। हालांकि, पिछले तीन वर्षों में असम के कई हिस्सों में बाढ़ कम होने से उन्हें राहत मिली है। समारोह में आधिकारिक तौर पर ग्राफिक डिजाइन इकाइयों का वितरण करते हुए, मंत्री पीयूष हजारिका ने लाभार्थियों से स्व-रोज़गार के जरिए आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवारों को राहत देने के लिए सरकार के उपहार का सदुपयोग करने का आग्रह किया।

बाल विवाह के आरोप में दूल्हा-दुल्हन समेत माता-पिता एवं काजी गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज में बाल विवाह के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर एक नाबालिक बच्ची की जिंदगी बर्बाद होने से बचा ली है। गोलकगंज पुलिस ने दूल्हा-दुल्हन, माता-पिता के साथ काजी को भी विवाह स्थल से गिरफ्तार कर लिया है। गोलकगंज पुलिस ने बुधवार को बताया है कि एक सूचना के आधार पर मंगलवार की मध्य रात्रि को गोलोकगंज के बर चराइखोला में कार्रवाई की गई है। गोलोकगंज के बिसनदै निवासी दो बच्चों का पिता आइनुल हक (33) नामक व्यक्ति बीती मध्य रात्रि को बर चराइखोला निवासी साबेर आरी सरकार की नाबालिग पुत्री से विवाह करने के लिए गया था। जानकारी मिलने पर गोलोकगंज थाना प्रभारी देवजीत कलिता के नेतृत्व में पुलिस ने रात में ही छापामारा। पुलिस ने यहां से दूल्हा आइनुल हक (33), काजी सहाबुद्दीन मीर (38), रफीक सरकार (58), नजरूल शेख (28), धानउद्दीन शेख (60) और नाबालिग दुल्हन को गिरफ्तार कर लेकर थाना ले आई। दुल्हन को रात में गौरीपुर के सखी नामक संस्था में रखा गया। जानकारी के अनुसार दूल्हा आइनुल हक की पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ भाग गयी है। नाबालिग दुल्हन की भी 13 साल की उम्र में पहले ही शादी हो चुकी थी। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश के बाद राज्य में बाल विवाह के विरुद्ध पूरे राज्य में लगातार अभियान चला रही है।

बिश्वनाथ के नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठित विग्रह को लेकर भव्य शोभायात्रा

श्रद्धालुओं ने की विशाल नगर परिक्रमा

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ में 200 साल पुराने नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर में होने वाले सांकेतिक मूर्तियों का विधि -विधान के साथ पूजा आरंभ हुआ। इसके बाद शहर की राम, हनुमान, राधा, कृष्ण, दुर्गा और शिव की विग्रह (मूर्तियों) को ठाकुरबाड़ी मंदिर से विश्वनाथ चारिआलि शहर की परिक्रमा कराया गया। इस भव्य शोभायात्रा में म 5,000 से अधिक भक्त शामिल थे। जिन्होंने जय श्री राम के नारे लगाए। जुलूस में विभिन्न जातीय समूहों की श्रद्धालु माताएं, महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे शामिल थे। इसमें भजन, कीर्तन, घंटी बजाना, महाआरती, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, सुंदर कांड और यज्ञ समापन जैसी कई धार्मिक गतिविधियां होती है। इस विग्रह नगर परिक्रमा में रौनियार एकता महिला संगठन, विश्वनाथ चारिआलि द्वारा छठ पूजा की झाकियां भी दिखाई गई। इधर आज चारों तरफ ढोल नगाड़े ,पटाखे से गगन के चारों दिशाएं भी भक्तिमय हो उठा।

मणिपुर में 631 ग्राम डब्ल्यूवाई टैबलेट समेत तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। हिंसा प्रभावित मणिपुर में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम के टीजी हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने ओल्ड जेल रोड इलाके से 631 ग्राम संदिग्ध डब्ल्यूवाई टैबलेट बरामद किया गया है। नशीले टैबलेट रखने के आरोप में पोरोम्पैट, इंफाल पूर्व के बसीमायुम याइबी (54) नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया। प्रतिबंधित दवा के साथ दो मोबाइल फोन और एक कार भी बरामद किया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

होजाई : रवींद्रनाथ टैगोर विवि में मना अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

होजाई (निसं)। होजाई के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के असमिया विभाग ने आज हर्षोल्लास के साथ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के अतिथि अध्यापक अखिल कुमार बोरा ने करते हुए, उद्देश्य की व्याख्या की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक अध्यापक देवराज मिल्ली ने की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 के विषय - *बहुभाषी शिक्षा अंतर-पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है* के बारे में बताते हुए, होजाई क्षेत्र की भाषाई विविधता पर संक्षेप में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में अर्थशास्त्र विभाग के सहायक अध्यापिका चयणिका बोरा उपस्थित थीं। विभाग की सहायक अध्यापिका डॉ. मल्लिका डेका ने एक रोमांचक कहानी सुनाई। बाद में विभाग की सहायक अध्यापिका मनीषा सेकिया ने मातृभाषा के महत्व के बारे में संक्षेप में बातया और कवि नवकांत बरुवा की एक कविता पढ़ी और सभी को अपनी मातृभाषा के प्रति उनकी जिम्मेदारियों व कर्तव्यों की याद दिलाई। बाद में, अध्यापक अखिल कुमार

बोरा ने एक स्व-रचित कविता का पाठ किया। वही असमिया विभाग के कई छात्रों ने भी अपनी स्व-रचित कविता का पाठ कर सबों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में अध्यक्ष ने छात्रों को मातृभाषा के महत्व को समझया तथा भारतीय समाज की आत्मा *अनेकता में एकता* के आदर्श वाक्य को समझकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन असम के जातीय संगीत *ओ मुर आपुनार देश* की प्रस्तुति के साथ हुआ।

कामपुर में निर्माणाधीन फ्लाईओवर से गिरा मजदूर, मौत

नगांव (हिंस)। जिले के कामपुर में बुधवार सुबह निर्माणाधीन फ्लाईओवर से गिर कर एक मजदूर की मौत हो गई। हाइसे के पीछे ठेकेदार की लापरवाही की बात सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि सुबह मजदूर काम करने के दौरान ऊपर की चढ़ रहा था तभी वह ऊपर से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है। चढ़ने के लिए ऊपरी हिस्से में लगी प्लेट की वेल्डिंग न होने से यह हादसा हुआ। मृतक मजदूर पश्चिम बंगाल के मालदा का निवासी बताया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर जब कामपुर पुलिस पहुंची तो घटनास्थल से सभी श्रमिक फरार हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चेंगा के खोलाबंधा में धुबड़ी लोस चुनाव की तैयारी की बैठक में विधायक एके राशिद आलम

नगरबेड़ा (विभास)। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का मुख्य लक्ष्य बदरुद्दीन अजमल को सत्ता से बाहर करना होगा। भाजपा असम से तभी गायब होगी जब बदरुद्दीन अजमल को राजनीतिक रूप से खत्म किया जा सकेगा। पूर्वी गोवालपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक ए के रशिद आलम ने धुबड़ी लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चेंगा विधानसभा क्षेत्र के खोलाबंडा में कल यहां एक बैठक में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर लड़ेगी और असम की राजनीति से बदरुद्दीन अजमल को विदाई देगी। विधायक

आलम ने बागबर विधानसभा क्षेत्र से निलंबित कांग्रेस विधायक शर्मन अली अहमद को चुनौती देते हुए कहा कि विधायक शेर्मान अली अहमद में कांग्रेस छोड़कर दिखाने का साहस है। अगर कांग्रेस की इतनी ही बुराई है तो शेर्मान अली अब भी नीलज की तरह उस पार्टी के विधायक क्यों हैं? कांग्रेस विधायकों के एक वर्ग के भाजपा में जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि मीडिया में कई चीजें हैं, विधायक एके राशिद आलम के अनुसार, कांग्रेस का कोई भी विधायक अभी तक भाजपा में नहीं गया है। बैठक में बरपेटा जिला कांग्रेस अध्यक्ष रफीकुल हक, गोमाफुलबाड़ी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हनीफ अली, जिला परिषद सदस्य बाबुल अली, युवा कांग्रेस के राज्य सचिव हुसैन अहमद मदनी, अबू बक्कर सिद्दीकी, आब्दुल मजिद तालुकदार, नबीर हुसैन हुसैन, मजनूर रहमान, अबुल हुसैन फारुकी, शाहाना अख्तर, माजेदा खातून, अकलिमा खातून, बसीर उद्दीन अहमद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जरुरतमंद को लिए लायंस उमंग का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के स्वस्थ्य के प्रति अपनी दयबधिता निभाते हुए लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की और से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में गुवाहाटी लायंस अस्पताल के सहयोग से दो अलग-अलग दिन नारंगी के अजय पोद्दार कांप्लेक्स परिसर में शिविर आयोजित किया गया, जिसमें निःशुल्क नेत्र, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच की गई। इनमें 160 लोगों ने नेत्र, 280 लोगों ने मधुमेह तथा 280 लोगों ने उच्च रक्तचाप की जांच शिविर में करवाकर इसका लाभ उठाया। लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में क्लब की

ओर से अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी सहित सभी सदस्ययाओ का भरपूर सहयोग रहा।

पलाशबाड़ी में विशिष्ट कवि तथा शिक्षाविद नारायण कुमार दास का अभिनंदन

नारायण दास की चिंता धारा विश्व प्रसिद्ध : नृपेण शर्मा

गुवाहाटी (विभास)। कामरूप जिले के 104 साल पुराने मिर्जा सरपारा स्थित पलासवाड़ी आर बी उच्चतर माध्यमिक और बहुमुखी विद्यालय के अवकाश प्राप्त अध्यक्ष तथा विशिष्ट साहित्यिक नारायण कुमार दास को आज पराग ज्योति प्रकाशन की तरफ से पलासवाड़ी बजरापाड़ा स्थित उनके निजी वास स्थान में अभिनंदन किया गया। प्रकाशन सचिव तथा संवाददाता दीपक शर्मा द्वारा संचालित इस आयोजन में भाग लेते हुए अवकाश प्राप्त रसायन विज्ञान विभाग के विषय शिक्षक तथा जागरूक लेखक नृपेन शर्मा ने कहा कि नारायण कुमार दास के विचार सार्वभौमिक हैं। उनका साहित्य लोगों और मानवता को दर्शाता है। नारायण कुमार दास सर को एक ईमानदार शिक्षक के रूप में सम्मानित किया जाता है। उन्होंने छात्रों के निर्माण के लिए लगातार प्रयास किया। उन्होंने अपने जीवनकाल में लोगों के लिए कई बलिदान दिए। आज परागज्योति प्रकाशन द्वारा दिया गया सम्मान एक बहुत ही सकारात्मक सोच है। इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति पिछली स्थिति से बहुत अलग है। बैठक में सेवानिवृत्त शिक्षक जतिन कुमार दास भी उपस्थित थे।

बाघमारा व आलोपाटी मंडलपाड़ा को जोड़ने वाली पक्की सड़क के निर्माण कार्य में ठेकेदार पर भ्रष्टाचार का आरोप

नगरबेड़ा (विभास)। भ्रष्टाचार कुशासन के खिलाफ अडिग नीति अपनाने वाले मुख्यमंत्री के हाथ में विभाग पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। बरपेटा लोक निर्माण रोड मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की कमजोरी के अलावा, विभाग के कुछ कनिष्ठ अभियंताओं पर जिले के बागबर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में रहस्यमयी गतिविधियों के कारण पक्के सड़क पुलों के निर्माण के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार अनियमितताओं का सहारा लेने का आरोप लगाया गया है। इस तरह के आरोप हाल ही में लगाए गए हैं। फैजल हक नाम के ठेकेदार के खिलाफ। स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने लोक निर्माण रोड डिवीजन (एएस-01-202) के तहत एक पैकेज में बाघमारा नंबर 4 से आलोपति मंडलपाड़ा तक लगभग चार किलोमीटर लंबी पक्की सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। क्षेत्र में अत्यंत व्यस्त सड़कों के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री

ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सड़कों के निर्माण के लिए 4.3 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, लेकिन खराब निर्माण के कारण हाल ही में सड़क ढह गई है। मुख्य रूप से भ्रष्टाचार और निर्माण में अनियमितताओं के कारण। निर्माण के छह महीने बाद पक्की सड़क की टॉपिंग बगल से, छाल ऊपर चढ़ना शुरू कर देती है। इसके बाद से ही सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं। इसके निर्माण के दो साल बाद पक्की सड़क ढह गई है। उल्लेखनीय है कि उक्त पक्की सड़क के निर्माण के दौरान भ्रष्ट ठेकेदार फैजल हक को अधिक लाभ इस बात के कारण होता है कि उक्त पक्की सड़क के निर्माण के दौरान वाला के नाम पर बेहद घटिया गुणवत्ता की सामग्री से एक प्रकार के सरकारी नियम-कायदों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का अधिक लाभ होता है। इलाके के लोगों को फिलहाल आने-जाने में मशक्कत करनी पड़ रही है। अधिशासी अभियंता कनिष्ठ अभियंता पर निर्माण कार्य के दौरान अनियमितताओं की नजर से ठेकेदार के ऐसे भ्रष्टाचार को देखने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगे हैं। ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री ने खुद भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है, क्षेत्र के चिंतित लोगों के एक वर्ग ने सवाल उठाया है कि ठेकेदार फैजल हक मुख्यमंत्री के हाथों लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार करने में किसकी हिम्मत कर पाया है। क्षेत्र के लोगों ने तत्काल सड़क का पुनर्निर्माण करने और भ्रष्ट ठेकेदारों, जिम्मेदार इंजीनियरों और कनिष्ठ अभियंताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

बहस के मजमून बहुत हैं

बजट के मजमून अब विपक्ष की कचहरी में गूंजने लगे, तो प्रदेश की चिंताएं समझी जानी चाहिएं। हालांकि बजट ने जनप्रतिनिधियों की खुशामद में वार्ड पंच से जिला परिषद तक सदस्यों के मानदेय को बढ़ा दिया या विधायक प्राथमिकता निधि को सींच दिया, लेकिन विपक्ष के पास पूछने और आपत्ति लगाने के लिए मजमून बहुत हैं। कुछ प्रश्नों की तासीर में महज विरोध है, तो कहीं जानकारियों के गुंबद तक गूंज पहुंच रही है। उदाहरण के लिए नाचन के विधायक ने सरकार से यह जानकारी ले ली कि प्रदेश में वैट लीजिंग पर 18 वोल्वो बसें आज भी चल रही हैं, लेकिन इनसे जुड़े कई सवाल अभी बाकी हैं। वैट लीजिंग के आधार पर गुणवत्ता के प्रश्न अगर पूछे जाएं तो वोल्वो बस सेवाओं का नाम बदनाम हो रहा है। पर्यटक स्थलों या एयरपोर्ट के लिए चल रहीं ऐसी बसों का हुलिया क्यों यात्री को निराश कर रहा है। प्रदेश में निजी वोल्वो सेवाओं के आगे एचआरटीसी क्यों हार रही, इसका भी तो जवाब चाहिए। बजट सत्र के माध्यम से हम प्रदेश, प्रदेश की प्राथमिकताएं, सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व, सत्ता के विभिन्न पहलू और इनमें चमकते विधानसभा क्षेत्रों के इरादे देख सकते हैं। बहस से नीतियों के आगोश में बैठे सपने और सपनों का प्रदेश दिखाई देता है। ऐसे ही एक प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर जब बताते हैं कि सुजानपुर के कालेज में पीजी कक्षाएं शुरू हो जाएंगी, तो सवाल यह कि मटौर या लंज के कालेज में क्यों नहीं। हम हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट बना देंगे, लेकिन छात्र को अध्ययन के कक्ष में शायद ही स्तरोन्नत कर पाएंगे। हिमाचल में विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों और इंजीनियरिंग कालेजों की बाढ़ के बावजूद हमने हासिल क्या किया। एक प्रदेश जिसकी प्रति व्यक्ति आय देश की औसत से ऊपर और जो देश के प्रमुख राज्यों की कतार में कतई गरीब प्रांत नहीं है, लेकिन सरकार के आचरण में हम गरीबी का कालीन बिछाकर सरकारी धन से दस्तकारी कर रहे हैं। हैरानी यह कि पक्ष और विपक्ष के बीच गारंटियों की तकरार पर प्रदेश का भविष्य देखा जा रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता के सवाल पर यह क्यों न पूछा जाए कि इस दरियादिली की जरूरत क्या है। महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए देने की गारंटी पूरी की जाए या हिमकेयर के भुगतान को बजट तुरंत पूरा करे। प्रदेश की प्राथमिकताओं में कब पक्ष-विपक्ष के सुर एक होंगे। बेशक हर विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र के हित में प्रश्न पूछने होंगे, लेकिन प्रदेश के सवालों का नेतृत्व कौन करेगा। आपदा ने पिछले बजट के कई तहखानों में सिर छुपाने की कोशिश की, लेकिन वहां राज्य के वित्तीय आचरण में इसके लिए कोई जगह नहीं थी। आज भी एफसीए केसों में हमारा विकास फंसा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से कभी यह सोचा ही नहीं गया कि पर्यावरण एवं वन संरक्षण कानून के नाम पर प्रदेश से हो रही ज्यादतियों के लिए क्या करें। इस दौरान हिमाचल के हक अगर आज केवल कांग्रेस की थाली में गिने जाएं, तो कल भाजपा की अमानत भी हो सकते हैं। कभी तो विधानसभा की बहस केंद्र से उलझे हिमाचल के मामलात पर एकजुटता से आगे बढने के मतैक्य में ढूंढा जाए। बेशक विपक्ष ठेकेदारों की पेमेंट पर संजीदा होकर सरकार से पूछ रहा है, लेकिन सरकारी निर्माण की गुणवत्ता पर कब दोनों पक्ष गंभीरता से विचार करेंगे। दरअसल प्रदेश की प्रगति में कई माफियाओं के घर बन रहे हैं। एक नया समुदाय हिमाचल की आन, बान, शान का प्रतीक हो रहा है। इसमें सफल राजनीतिज्ञ, नौकरशाह और सरकार के कारिंदे हर सत्ता में पैदा हो रहे हैं। आज भी हिमाचल की आय का छबील लोगों को शराब पिला रहा है और इसी की वजह से मिल्क सैस 90 करोड़ की उगाही कर रहा है। कब हमारे बजट की अदालत में स्वावलंबन का पक्ष सिद्ध होगा।

बजट ने जनप्रतिनिधियों की खुशामद में वार्ड पंच से जिला परिषद तक सदस्यों के मानदेय को बढ़ा दिया या विधायक प्राथमिकता निधि को सींच दिया, लेकिन विपक्ष के पास पूछने और आपत्ति लगाने के लिए मजमून बहुत हैं। कुछ प्रश्नों की तासीर में महज विरोध है, तो कहीं जानकारियों के गुंबद तक गूंज पहुंच रही है। उदाहरण के लिए नाचन के विधायक ने सरकार से यह जानकारी ले ली कि प्रदेश में वैट लीजिंग पर 18 वोल्वो बसें आज भी चल रही हैं, लेकिन इनसे जुड़े कई सवाल अभी बाकी हैं। वैट लीजिंग के आधार पर गुणवत्ता के प्रश्न अगर पूछे जाएं तो वोल्वो बस सेवाओं का नाम बदनाम हो रहा है। पर्यटक स्थलों या एयरपोर्ट के लिए चल रहीं ऐसी बसों का हुलिया क्यों यात्री को निराश कर रहा है। प्रदेश में निजी वोल्वो सेवाओं के आगे एचआरटीसी क्यों हार रही, इसका भी तो जवाब चाहिए। बजट सत्र के माध्यम से हम प्रदेश, प्रदेश की प्राथमिकताएं, सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व, सत्ता के विभिन्न पहलू और इनमें चमकते विधानसभा क्षेत्रों के इरादे देख सकते हैं। बहस से नीतियों के आगोश में बैठे सपने और सपनों का प्रदेश दिखाई देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 फरवरी 2019 को विश्व दाल दिवस के रूप में मनाने के लिए प्रस्ताव पारित किया था

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व

ललित गर्ग

पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, आर्थिक विकास एवं खाद्य सुरक्षा को प्रोत्साहन देने के लिये हर साल 10 फरवरी का दिन दुनियाभर में विश्व दलहन दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसका मकसद लोगों को दालों के फायदे और महत्व के बारे में बताना होता है। दालें, जिनमें दाल, छोले, बीन्स और मटर शामिल हैं, जो प्रोटीन से लेकर फाइबर, आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों के साथ विटामिन्स और मिनरल्स का भी खजाना होती हैं। दालें सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में भी खानपान का जरूरी हिस्सा हैं। शाकाहारी जीवनशैली के लिए तो दालें ही प्रोटीन का सबसे बड़ा स्त्रोत हैं। कम वसा वाले और कम सोडियम वाले इस ऑप्शन को डाइट में शामिल कर न केवल असाध्य बीमारियों से लड़ा जा सकता है बल्कि जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण के संकट से भी बचा जा सकता है। इस साल 2024 में विश्व दलहन दिवस की थीम "दालें: पौष्टिक मिट्टी और लोगों" रखी गई है। इस थीम का मतलब स्वस्थ मिट्टी और स्वस्थ लोगों की कुंजी के रूप में दालों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्व स्तर पर दलहन की उपयोगिता एवं प्रासंगिता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 20 दिसंबर 2013 को अंतर्राष्ट्रीय दलहन दिवस मानने का निर्णय लिया गया, जो पहली बार साल 2016 में मनाया गया था। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 फरवरी 2019 को विश्व दाल दिवस के रूप में मनाने के लिए प्रस्ताव पारित किया था। संयुक्त राष्ट्र संघ के सामने इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दालों का उत्पादन बढ़ाकर दुनिया में गरीब कुपोषित देशों को पोषक तत्वों से भरपूर खाना उपलब्ध करवाना था क्योंकि दालों में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। दालें न केवल पोषक हैं, वे विश्व की भूख और गरीबी को मिटाने की दिशा में स्थायी खाद्य प्रणालियों के विकास में भी योगभूत हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह सतत विकास के लिए अपने 2030 एजेंडा को हासिल करने के लिए एक प्रभावी रणनीति है, जिसका उद्देश्य वैश्विक शांति को मजबूत करना और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना है। मांसाहार पर्यावरण के सम्मुख एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है, क्योंकि एक किलो दाल के उत्पादन के लिए 1250 लीटर पानी की जरूरत होती है, जबकि एक किलो बीफ के लिए 13,000 लीटर की जरूरत होती है। देश-विदेश में भी दालों का प्रचलन एवं

महत्व कम नहीं है, लेकिन परम्परागत भारतीय भोजन में पौष्टिकता के कारण दालों का विशेष महत्व है। 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही नरेंद्र मोदी ने दलहन क्रांति की कवायद शुरू कर दी। सरकार ने दालों के घरेलू उत्पादन बढ़ाने के उपाय सुझाने हेतु सुब्रमण्यम समिति का गठन किया। समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लंबे समय से भारतीय खेती में अन्य अनाजों की तुलना में दालों के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता रहा है। महंगी दालों ने आम आदमी की थाली से दाल को तकरीबन दूर ही कर दिया था, लेकिन मोदी की कोशिशों से अब आम आदमी की थाली में दालें भरपूर मात्रा आ गई हैं। मोदी सरकार द्वारा दलहनी फसलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के प्रयासों का ही नतीजा है कि 2015-16 में जहां 163 लाख टन दालों का उत्पादन हुआ था, वहीं दो साल बाद 2017-18 में यह बढ़कर 239.5 लाख टन हो गया। इससे दालों का आयात तेजी से कम हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दालों के महत्व को देखते हुए इसके उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिये अभियान चला रखा है। 'दाल रोटी खाओ-प्रभु के गुण गाओ' लोकोक्ति से स्पष्ट है कि दालें सम्पूर्ण भोजन के रूप में हमारी जीवन संस्कृति एवं समृद्ध खानपान में शामिल रही हैं। इतना ही नहीं, देश के अलग-अलग भू-भागों में दालों की विभिन्नताओं के साथ-साथ उनके उपयोग की भी विशिष्ट प्रकृति रही है। जबकि भारतीय खेती की बदहाली की एक बड़ी वजह एकांगी कृषि विकास नीतियां रही हैं। वोट बैंक की राजनीति के कारण सरकारों ने गेहूं, धान, गन्ना, कपास जैसी चुनिंदा फसलों के अलावा दूसरी फसलों पर ध्यान ही नहीं दिया। इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव दलहनी व तिलहनी फसलों पर पड़ा। घरेलू उत्पादन में बढ़ोत्तरी न होने का नतीजा यह हुआ कि दालों व खाद्य तेल का आयात तेजी से बढ़ा। दाले भारतीय भोजन की थाली का सौन्दर्य एवं स्वाद रही है। न केवल भारत बल्कि दुनिया भर की सांस्कृतिक परंपराओं और व्यंजनों में दालें गहराई से अंतर्निहित हैं। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उड़द व छोले, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार व बंगाल में अरहर तथा महाराष्ट्र एवं दक्षिणी राज्यों में मसूर दाल का इस्तेमाल विभिन्न व्यंजनों में किया जाता है। दालों का उपयोग विभिन्न रूपों में समूचे देश में होता है। देश भर में उत्पादित होने वाली दालों में 44.51 फीसदी हिस्सा चने का है। वहीं अरहर 16.84 प्रतिशत, उड़द 14.1 प्रतिशत, मूंग 7.96 प्रतिशत, मसूर 6.38 प्रतिशत तथा शेष दालों की 10.18 फीसदी पैदावार होती है। इसके बावजूद हमारे आहार में दालों की उपलब्धता कम होना विचारणीय है। पर्यावरणीय लाभों की दृष्टि से दालों की पैदावार एवं उपयोग आधुनिक खानपान का मुख्य हिस्सा होना चाहिए। क्योंकि दालों के नाइट्रोजन-स्थिरीकरण गुण मिट्टी की उर्वरता में सुधार करते हैं, जो खेत की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। इंटरक्रॉपिंग और कवर फसलों के लिए दालों का उपयोग करके, हानिकारक कीटों और बीमारियों को दूर रखते हुए, किसान खेत और मिट्टी की जैव विविधता को भी बढ़ावा दे सकते हैं। इसके अलावा, मिट्टी में कृत्रिम रूप से नाइट्रोजन डालने के लिए उपयोग किए जाने वाले सिंथेटिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करके दालें जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान दे सकती हैं। क्योंकि इन उर्वरकों के प्रयोग के दौरान ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं और इनका अत्यधिक उपयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। दालें स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित है। दालों में फाइबर, विटामिन एवं सूक्ष्म तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। वसा कम होने के कारण ग्लूटेन मुक्त तो हैं ही इनमें आयरन की अधिक मात्रा भी होती है। इसीलिए विभिन्न रोगियों, हृदय व शुगर के मरीजों को भोजन में दालों को शामिल करने की अनुशंसा की जाती है। शाकाहारी भोजन में दालें प्रोटीन का मुख्य स्रोत हैं। प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर, उल्लेखनीय पोषण प्रोफ़ाइल के बावजूद दालों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बदलते दौर में खास तौर से बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन के दौर में युवा पीढ़ी को संतुलित भोजन तथा खान-पान में दालों के महत्त्व को समझाया जाना चाहिए।

शाकाहारी जीवनशैली के लिए तो दालें ही प्रोटीन का सबसे बड़ा स्त्रोत हैं। कम वसा वाले और कम सोडियम वाले इस ऑप्शन को डाइट में शामिल कर न केवल असाध्य बीमारियों से लड़ा जा सकता है बल्कि जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण के संकट से भी बचा जा सकता है। इस साल 2024 में विश्व दलहन दिवस की थीम "दालें: पौष्टिक मिट्टी और लोगों" रखी गई है। इस थीम का मतलब स्वस्थ मिट्टी और स्वस्थ लोगों की कुंजी के रूप में दालों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

दृष्टि कोण

अमीन सयानी ने मनोरंजन की दुनिया में रेडियो का मधुर व्याकरण रचा

अमीन सयानी यानी आवाज की दुनिया के सुपर स्टार। बचपन में जब अमीन सयानी का हर दिल अजीज कार्यक्रम 'बिनाका गीतमाला' सुनते तो लगता था कि यह आवाज किसी दूसरी दुनिया से आती है। ऐसी आवाज जो मानो रेडियो के लिए ही बनी है और रेडियो अमीन सयानी के लिए। कल के रेडियो उद्घोषक और आज के रेडियो जॉकी अमीन सयानी की जानदार आवाज और अदायगी को के प्रति श्रोताओं की जबर्दस्त दीवानगी को शायद ही समझ पाएं। वो जमाना था जब बड़े-बड़े फिल्म स्टार भी अमीन सयानी से मिलने को बेताब हुआ करते थे। दरअसल अमीन सयानी ने आजाद भारत में मनोरंजन की दुनिया में रेडियो एक नया और मधुर व्याकरण रचा। शुष्क समाचार और धीर गंभीर सूचनाओं और शास्त्रीय संगीत से परे जाकर आम आदमी की जबान में आम आदमी से सहज और दिलकश संवाद की नींव अमीन सयानी ने अपनी युवावस्था में रखी। उसी नींव पर आज टी.वी चैनल्स और एफएम रेडियो की दुनिया खड़ी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अमीन सयानी भारतीय रेडियो की दुनिया के 'पितृ पुरूष' थे। अमीन सयानी को

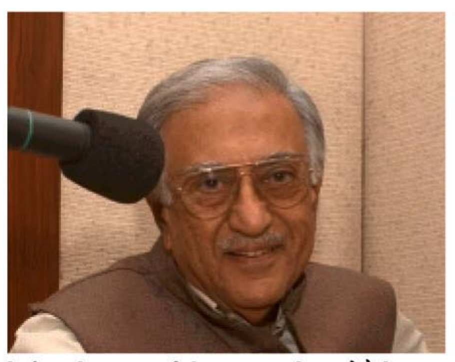

सिर्फ इसलिए याद नहीं किया जाएगा कि उन्होंने बिनाका गीतमाला के रूप में हिंदी फिल्मों की लोकप्रियता का पैमाना तय करने वाला कार्यक्रम 42 साल तक होस्ट किया, बल्कि इसलिए भी याद किया जाएगा कि उन्होंने रेडियो की जनोन्मुखी, संवादात्मक और सहज सम्प्रेषणीय भाषा भी रची। अमीन सयानी जिस भाषा में उद्घोषणा करते थे, इसके माध्यम से रोचकता का संसार रचते थे, वह हिंदी और उर्दू का मीठा मिश्रण होता था। खास बात यह है कि अमीन सयानी ने अंग्रेजी उद्घोषक के रूप में करियर की शुरूआत की थी। लेकिन बाद में वो हिंदी उद्घोषणा की मील का पत्थर बन गए। अपनी सरल लेकिन प्रभावी शब्द संपदा के साथ हिंदी उर्दू के कठिन शब्दों का शुद्ध और नफासत भरा उच्चारण, स्वराघात, लय और प्रांजल सम्प्रेषणीयता अमीन सयानी की जुबान की ऐसी खूबियां थीं कि लोग उनकी सामान्य बातचीत पर भी मोहित हो जाते थे। बीती सदी में साठ और सत्तर के दशक में हर युवा उद्घोषक अमीन सयानी की नकल करने की कोशिश करता था और वैसा ही बनना चाहता था। अभी भी विविध भारती के नामी उद्घोषक युनूस खान की उद्घोषण शैली में इसकी झलक देखी जा सकती है। उन दिनों हिंदी उद्घोषणा जगत में तीन आवाजें मानक समझी जाती थीं। समाचार वाचन में आकाशवाणी के देवकी नंदन पांडे, हॉकी कमेंट्री में जसदेव सिंह तथा मनोरंजन के क्षेत्र में अमीन सयानी। इन सभी ने जनसंचार के क्षेत्र में रेडियो माध्यम की महत्ता और चुनौतियों को बखूबी समझा तथा उसे एक नई परिभाषा दी। इन तीनों में भी अमीन सयानी का नाम तो हर घर में पहुंच चुका था। उन्होंने सार्वजनिक संबोधन में भी एक बुनियादी बदलाव किया था। तब तक किसी भी कार्यक्रम में वक्ता आम तौर पर 'भाइयों और बहनों' से बोलने की शुरूआत करते थे। लेकिन इससे लैंगिक विषमता की गंध आती थी। अमीन सयानी ने अपने कार्यक्रम में 'बहनों और भाइयों' कहना शुरू किया, जो बेहद लोकप्रिय हुआ और स्त्री शक्ति की महत्ता को रेखांकित करता था। ये सुखद संयोग ही है कि 20 साल की उम्र में अमीन सयानी ने रेडियो सीलोन से भारतीय फिल्म संगीत, जो उस वक्त अपने सुनहरे दौर में कदम रख रहा था, को घर घर पहुंचाने और उत्कृष्टता की प्रतिस्पर्द्धा में लोकप्रियता को एक मानदंड के रूप में स्थापित करने का सफल प्रयास किया। यही वो दौर था, जब देश की पुरानी पीढ़ी हिंदी फिल्मों के संगीत को बाजारू मानकर उसे खारिज या अनदेखा करने की कोशिश कर रही थी। देश के तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री बी.वी. केसकर ने तो आकाशवाणी से हिंदी फिल्म संगीत का प्रसारण यह कहकर बंद करवा दिया था कि इससे देश की युवा पीढ़ी बिगड़ रही है। जबकि हकीकत में उसी दौर में हिंदी सिने संगीत के स्वर्णिम काल का द्वार भी खुल रहा था।

कुछ अलग

अहा! पेपर फिर लीक हुआ...

वे बहुत परेशान थे। उनकी परेशानी यह थी कि कल उनके देश के भविष्य के कर्णधार का पेपर था। पर एक मुआ पेपर था कि लीक नहीं हो रहा था। वे पेपर लीक होने की बाट वैसे ही जोह रहे थे जैसे कभी सावन में रीतिकालीन नायिका विदेस गए खलनायक की बाट जोहा करती थी। पेपर जैसे कैसे लीक हो उन तक पहुंचे तो उनका बेटा एक बार फिर परीक्षा के इतिहास में नया कीर्तिमान रचे। आजकल परीक्षाएं ईमानदारी से परीक्षा देने वालों के कारण सफल नहीं होतीं, पेपर लीक कराने वालों के सहयोग से शांतिपूर्वक संपन्न होती हैं। हालांकि मैंने आज तक कोई परीक्षा नहीं दी। पर अग्नि परीक्षाएं बहुत दी हैं। और उन परीक्षाओं में जला ही हूं। जहां भी अग्नि परीक्षा देने उछलता हुआ गया, मेरी परीक्षा लेने वालों ने मेरे ऊपर घी ही डाला। पर मेरा दम कि अगली अग्नि परीक्षा देने को मैं फिर बच गया। पता नहीं क्यों? सच कहूं, अब जिस परीक्षा का परीक्षा होने से पहले उसका पेपर लीक नहीं होता, उस परीक्षा को परीक्षा कहते हुए मुझ गधे को शर्म सी नहीं, पूरी शर्म आती है। वह पारदर्शी परीक्षा ही क्या जिसका पेपर लीक न हो। वह परीक्षा ही क्या जिसका पेपर मास्साब अपने पास ट्यूशन पढने वालों को न बताएं। परीक्षा की पारदर्शिता, परीक्षा का सफल संचालन अब उसका पेपर लीक होने की अनिवार्य सी शर्त है। जो पेपर लीक हुए से कहीं के कहीं जा पहुंचते हैं उन्हें मेरा शत्-शत नमन! अहा! उनके कंधों पर बैठ समाज कहां से कहां उड़ा जा रहा है। और वे सज्जन जो पेपर लीक करते हैं, करवाते हैं, वे मेरे लिए आदरणीय नहीं, परमादरणीय हैं, गिरते समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इन अमूल्य धरोहरों को मरणोपरांत नहीं, उनके रहते ही उनकी समाजोपयोगी सेवाओं के लिए स्वर्ग रत्न दिया जाना चाहिए। वैसे जहां खुंड से खुंड चरित्रों का बिकना आम हो वहां पेपर जैसी घटिया आइटम बिके बिना रहे तो शर्म आनी चाहिए। किसे? यह पेपर लीक की निष्पक्ष जांच करने वालों की तरह मुझे भी पता नहीं। अभी तक पेपर लीक न होने की इसी बेचैनी से सने वे कल शाम मेरे पास आए। सिर से पांव तक परेशान। बच्चों को लेकर बापों का परेशान होना हर बाप का नैतिक कत्त्तव्य होता है। उन्होंने आते ही बस यही पूछा, 'कल वाला पेपर कहीं से लीक हुआ क्या?' 'हो जाएगा। अभी पेपर लीक होने को सारी रात पड़ी है। और रात को लीक हुए पेपर हम जैसों को शुभ साबित होते रहे हैं।' 'तो इतनी जल्दी पेपर की तैयारी कैसे होगी?' उनकी एक और चिंता! 'हो जाएगी। पेपर लीक करवाने वाले पेपर सॉल्वर भी मुहैया करवाते हैं भाई साहब! परीक्षाओं की पारदर्शिता के इस दौर में पेपर लीक होना पेपर का नैसर्गिक गुण धर्म है। जो पेपर लीक नहीं होता उसे आज कोई पेपर ही नहीं मानता। इसलिए पेपरलीकियों पर भरोसा कर धीरज धरो। भ्रष्टाचारी से भ्रष्टाचारी पकड़े बिना स्वर्ग जा सकता है, पर पेपर लीक हुए बिना नहीं रह सकता', मैंने उन्हें सच्ची का ढांढस बंधाया। सच कहूं तो मुझे भगवान पर उतना विश्वास नहीं जितना पेपर लीक करने करवाने वालों पर है। और खुशी की बात! अभी हम पेपर लीक होने पर चिंतन मंथन कर ही रहे थे कि मेरे पड़ोस के बंधु ने शुभ सूचना दी, 'बधाई हो! कल होने वाला पेपर उनकी सेफ से उछल कर बाहर आ गया है बाजार में।' 'बाहर आ गया?' 'हां!' 'कितनी देर हुई?' 'बस अभी! लीक हुआ पेपर पूरे पेपर देने वालों में आग की तरह फैल गया है', मत पूछो यह शुभ सूचना सुन उनके मुखारविंद पर कितना विश्वास जगा। अहा! एक बार फिर पेपर ने अपने लीक होने की परंपरा को बचाए रखा। आपकी कसम! वर्ना मैं तो अबके अभी तक पेपर लीक न होने पर बाहर भीतर से डर सा गया था। अच्छा नहीं बंधुओ! बहुत अच्छा लगता है जब आदर्शों की ओट में अनैतिकता दिन दुगनी रात चौगुनी फलती फूलती है।

देश दुनीया से

स्कूली शिक्षा की फंडिंग बढ़े

एक फरवरी को संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 में 47.66 लाख करोड़ रुपए के कुल व्यय का अनुमान लगाया है। यह इस वित्तीय वर्ष में सरकार के कुल खर्चों का एक अनुमान है। बजट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 में उधार को छोडक़र सरकार की कुल प्राप्तियां 30.80 लाख करोड़ रुपए की होंगी। स्कूल, कॉलेज, हायर एजुकेशन और रोजगार के अवसर को लेकर देश के युवाओं को इस 2024-25 के शिक्षा बजट से काफी उम्मीदें रही हैं। पिछले वर्षों के शिक्षा बजट काफी उत्साहवर्धक रहे हैं। साल 2020 में नई शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव देखे गए हैं। यही वजह है कि पिछले दो सालों में शिक्षा बजट में काफी बढ़ोतरी देखी गई। पिछले दो-तीन वर्षों के शिक्षा बजट देखें तो वर्ष 2023 में एजुकेशन सेक्टर के लिए सरकार ने 112899 करोड़ रुपए का आवंटन किया था, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक था। इस बजट में सरकार ने एकलव्य स्कूलों के लिए 38000 से अधिक शिक्षक भर्ती का ऐलान किया। इस बजट में स्कूली शिक्षा के लिए 68805 करोड़ रुपए आवंटित किए गए और उच्च शिक्षा के लिए 44095 करोड़ दिए गए। समग्र शिक्षा अभियान के लिए सरकार ने 37453 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। वर्ष 2022 के बजट में एजुकेशन सेक्टर के लिए 1.04 लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया। यह वास्तविक खर्च के मुकाबले 18.5 प्रतिशत अधिक था। इस बजट में सर्वाधिक स्कूली शिक्षा के लिए 63449.37 करोड़ रुपए दिए गए, वहीं उच्च शिक्षा के लिए 40828 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में लगभग 40 मिलियन छात्र नामांकित हैं, जिनका सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) लगभग 27 फीसदी है। इसकी तुलना में अमरीका में जीईआर 88 फीसदी, जर्मनी में 70, यूके में 61, ब्राजील में 51 और चीन में 49 फीसदी है। यहां तक कि भारत का यह मामूली जीईआर भी मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के निवेश के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 संस्थानों के महत्वपूर्ण विस्तार के कारण है। हालांकि जनसंख्या वृद्धि की तुलना में मंडल आयोग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए हालिया कोटा के कारण हुई कुछ वृद्धि को छोडक़र, हमारे शीर्ष गुणवत्ता वाले संस्थानों में छात्र संख्या में वृद्धि स्थिर बनी हुई है। परिणामस्वरूप, आज गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। आईआईटी में प्रवेश की संभावना 100 में से एक पर बनी हुई है। उदाहरण के लिए 23 आईआईटी संयुक्त रूप से हर साल लगभग 16500 स्नातक छात्रों को प्रवेश देते हैं, जबकि एक बड़ा सार्वजनिक वित्त पोषित विश्वविद्यालय अमरीका में लगभग 20000 को प्रवेश देता है। हालांकि भारत ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नए संस्थान स्थापित करने में प्रगति की है, लेकिन स्थापित संस्थानों की संख्या बढ़ाने का उसका रिकॉर्ड उम्मीदों से कम बना हुआ है। इसका मुख्य कारण सरकार द्वारा मौजूदा संस्थानों को ब्लॉक अनुदान प्रदान करने का तरीका और उसके वित्तीय मॉडल की कमी है। शिक्षा को लेकर इस बार का बजट सकारात्मक तो है, लेकिन कई स्थानों पर आबंटन और बेहतर किए जाने की जरूरत है। इस बार स्कूली शिक्षा के बजट में 500 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि की गई है, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए अनुदान पिछले वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान (आरई) से 9600 करोड़ रुपए से अधिक कम कर दिया गया है। स्कूली शिक्षा का बजट 72473.80 करोड़ रुपए (आरई) से बढक़र 73008.10 करोड़ रुपए हो गया है। हालांकि, उच्च शिक्षा का बजट 57244.48 करोड़ रुपए (आरई) से घटकर 47619.77 करोड़ रुपए हो गया है। अंतरिम बजट पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2014 के बाद से बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा के नए संस्थान, सात आईआईटी, 16 आईआईआईटी, सात आईआईएम, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं, जबकि 3000 नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं। 2024-25 के अंतरिम बजट में, यूजीसी के लिए फंडिंग को पिछले वर्ष के 6409 करोड़ रुपए से घटाकर 2500 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो 60.99 प्रतिशत की गिरावट है। आईआईएम को लगातार दूसरे साल बजट में कटौती का सामना करना पड़ा है।

स्कूल, कॉलेज, हायर एजुकेशन और रोजगार के अवसर को लेकर देश के युवाओं को इस 2024-25 के शिक्षा बजट से काफी उम्मीदें रही हैं। पिछले वर्षों के शिक्षा बजट काफी उत्साहवर्धक रहे हैं। साल 2020 में नई शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव देखे गए हैं। यही वजह है कि पिछले दो सालों में शिक्षा बजट में काफी बढ़ोतरी देखी गई। पिछले दो-तीन वर्षों के शिक्षा बजट देखें तो वर्ष 2023 में एजुकेशन सेक्टर के लिए सरकार ने 112899 करोड़ रुपए का आवंटन किया था, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक था। इस बजट में सरकार ने एकलव्य स्कूलों के लिए 38000 से अधिक शिक्षक भर्ती का ऐलान किया।

आप का नजरीया

बच्चों की आंखों में उनके ही सपने पलने दें

पिछले महीने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अभिभावकों को अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाने की जो सलाह दी थी। दरअसल यह वक्त की मांग भी है और एक तरह से बच्चों के नैसर्गिक विकास की राह भी। हमें बच्चों की आंखों में उनके सपने पलने देना होगा बजाय इसके कि हम उनकी आंखों में अपने सपने भरें। अगर हमने उनकी आंखों में अपने सपने भरने की आदत नहीं छोड़ते तो फिर न जाने कितने और युवा निहारिका की तरह अपने माता-पिता के सपनों को पूरा न कर पाने की शर्मिंदगी का बोझ न उठा पाने की मजबूरी में जिंदगी को खत्म करने का फैसला करते जाएंगे। निहारिका कोटा में जेईई की कोचिंग करने वाली कक्षा 12 की स्टूडेंट थी। पिता बैंक में गनमैन का जॉब करते थे। उसने आत्महत्या कर ली। उसे अपने घर के हालात मालूम थे कि कितनी मुश्किलों से माता-पिता उसे कोचिंग दिला रहे हैं। माता-पिता के सपनों को पूरा करने में उसने पूरी ताकत लगा दी लेकिन जब यह लगा कि पूरी कोशिश के बावजूद वह अपने माता-पिता के सपनों को पूरा नहीं कर पाएगी तो उसने यह लिखकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली- "मम्मी, पापा, मैं जेईई नहीं कर सकती। इसलिए मैंने आत्महत्या कर ली है। मैं लूजर हूं। मैं सबसे खराब बेटी हूं। मुझे माफ करना, मम्मी, पापा। यह मेरे पास आखिरी विकल्प है।" कोटा में पिछले साल छात्रों के आत्महत्या के 26 मामले दर्ज किए गए थे जोकि कोचिंग के इस गढ़ में एक साल में सबसे अधिक मामले हैं। और इस साल की शुरूआत में ही दो मामले हो चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था- ' हमने यह भी देखा है कि जो माता-पिता अपने जीवन में बहुत सफल नहीं रहे हैं, उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है या दुनिया को अपनी सफलताओं और उपलब्धियों के बारे में बताना चाहते हैं तो वह अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड बना लेते हैं।' कई दफा ऐसा भी होता है कि बच्चों की आंखों में पलने वाला सपना खुद उनका ही होता है, वह माता-पिता को उस सपने को पूरा करने के लिए किसी तरह राजी करते हैं और फिर जब उन्हें सपना हकीकत में तब्दील होता नजर नहीं आता है तो वह खुद को अपने माता-पिता से नजर मिलाने के काबिल नहीं समझते और फिर उन्हें आत्महत्या करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं सूझता। आत्महत्या के कारणों में सपने को पूरा न कर पाने के दबाव से कहीं ज्यादा दबाव घर की आर्थिक स्थिति का होता है। जो स्टूडेंट्स आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर मध्यम, निम्न मध्यम वर्ग परिवारों से आते हैं, उन्हें पता होता है कि उनकी इस पढ़ाई के लिए माता-पिता ने क्या-क्या जतन किया हुआ है? पहले से ही दबाव में चलने वाले स्टूडेंट्स को जैसे ही सपना टूटने का आभास होता, वह अवसाद में चले जाते हैं। माता-पिता की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने बच्चों को यह भरोसा दें कि न तो हर सपना पूरा होता और न हरेक का सपना पूरा होता है। बेस्ट करो लेकिन अगर सपना पूरा नहीं हो पाया तो उसमें जिंदगी हार जाने जैसी कोई बात नहीं होती।। माता-पिता को सोचना होगा कि कर्ज लेकर पढ़ाई के दबाव में अगर उनके बच्चे ने कोई अस्वाभाविक कदम उठा लिया तो उससे कर्ज तो अदा नहीं हो जाएगा और साथ ही वह अपने बच्चे को भी खो देंगे।

जम्मू-कश्मीर के दस जिलों में ताजा हिमस्खलन की चेतावनी

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के दस जिलों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बुधवार को ताजा हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेडीएमए) ने कहा कि अगले 24 घंटों में अनंतनाग और कुलगाम जिलों में हिमस्खलन होने की संभावना है। साथ ही यह भी कहा कि अगले 24 घंटों में बांदीपोरा और बारामूला में भी हिमस्खलन हो सकता है। एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि अगले 24 घंटों में डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन, कुपवाड़ा और गांदरबल जिलों में हिमस्खलन होने की संभावना है। संबंधित क्षेत्रों के लोगों को सावधानी बरतने और हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। इसमें कहा गया है कि किसी भी मदद के लिए लोग 112 नंबर डायल कर सकते हैं।

बिहार के लखीसराय में सड़क हादसा नौ की मौत, पांच की हालत नाजुक

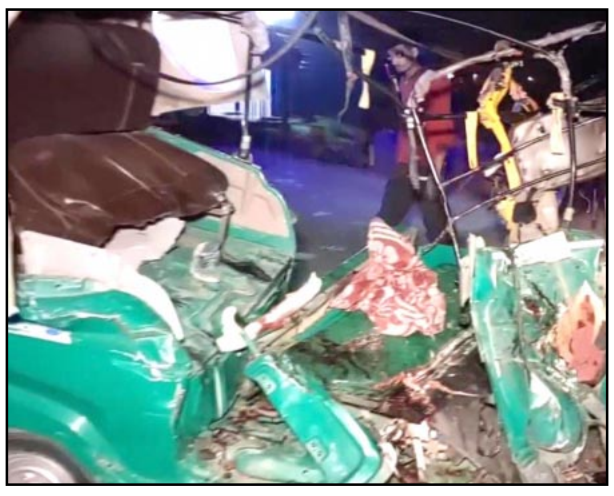

पटना (हिंस)। बिहार के लखीसराय जिले में रामगढ़ चौक थाना चौक क्षेत्र के झुलौना गांव के पास आज (बुधवार) सुबह ट्रक और सीएनजी टैंपो की सीधी टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल पांच लोगों की हालत नाजुक है। इस टक्कर में टैंपो के परखच्चे उड़ गए। टैंपो में कुल 14 लोग सवार थे। इनमें से आठ की मौत घटनास्थल पर हो गई। एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों की हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल से पीएमसीएच पटना रेफर किया गया है। मृतकों में टैंपो ड्राइवर मनोज कुमार भी शामिल है। हताहत मनोज कुमार के बहनोई और प्रत्यक्षदर्शी अनिल मिस्त्री घटना का विवरण बताया है। उन्होंने कहा कि मनोज को सूचित किया गया था कि कुछ लोगो को रिजर्व कर हलसी से लखीसराय लाना है। हलसी से लखीसराय आने के दौरान झूलौना के पास यह हादसा हो गया। हादसे में 14 लोग जख्मी हो गए। इनमें आठ लोगों की मौत हो गई। बाकी छह लोगों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां पर एक व्यक्ति की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायलों को पीएमसीएच पटना रेफर किया गया है। सभी की स्थिति नाजुक है। प्रत्यक्षदर्शी अनिल तेतरहाट थाना क्षेत्र के महिसोना गांव निवासी हैं। नगर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अमित कुमार ने बताया की टैंपो पर सवार सभी लोग हलसी से लखीसराय आ रहे थे। मृतकों के परिजन मुंगेर में रहते हैं। सभी को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद ही पता चलेगा कि हलसी से यह लोग कहां जा रहे थे।

संदेशखाली की घटना को लेकर अधिवक्ताओं में उबाल, फूंका पुतला

वाराणसी (हिंस)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली इलाके की जघन्य घटना को लेकर राष्ट्रवादी अधिवक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। बुधवार को राष्ट्रवादी अधिवक्ताओं के साथ सामाजिक कार्यकर्ता कचहरी परिसर से जुलूस की शक्ल में जिला मुख्यालय पहुंचे और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनका पुतला भी फूंका। अधिवक्ताओं ने ममता सरकार को तत्काल भंगकर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने, सन्देशखाली घटना के मुख्य आरोपी शाहजहां शेख की गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। विरोध-प्रदर्शन में अधिवक्ता राजेश मिश्रा, श्रीप्रकाश शुक्ला, संजीवन यादव, विनोद पांडेय भैयाजी, विपुल कुमार पाठक, अजय मिश्रा, राजेश तिवारी, श्याम जी वर्मा, माधव प्रसाद पांडेय, ज्ञान प्रकाश राय, आनंद गोस्वामी और पवन पाठक आदि शामिल रहे।

विकसित भारत का सपना बहुत जल्दी होगा साकार : उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी

जयपुर (हिंस)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री की सबका साथ सबका विकास की सोच के अनुसार दिव्यांगजन को परिवार के हिस्से के रूप में साथ लेकर ही आगे बढ़ने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से विकास की गति तिगुनी हो गई है। विकसित भारत का सपना 2047 से पहले ही बहुत जल्दी साकार होगा। उन्होंने कहा राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। उप मुख्यमंत्री राजकीय सावित्री बाई फुले छात्रावास, गांधीनगर, जयपुर में बुधवार को *मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी वितरण समारोह* में बोल रही थीं। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत भी मौजूद थे। दीया कुमारी ने समारोह को संबोधित करते हुए 60 दिव्यांगजनों को स्कूटी मिलने की बधाई दी और कहा कि यह आपके जीवन में खुशियों का संचार करें यही मेरी कामना है।

टीकरी बॉर्डर सहित दिल्ली की सभी सीमाओं पर फिलहाल शांति, सुरक्षा बल मुस्तैद

झज्जर (हिंस)। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर और दाता सिंह वाला बॉर्डर पर बुधवार को किसानों और पुलिस के बीच तनाव के चलते बहादुरगढ़ में भी पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था पूरी कड़ी रखी गई। टीकरी बॉर्डर और बहादुरगढ़ में सेक्टर-9 मोड़ पर दिनभर अर्द्धसैनिक बलों के साथ पुलिस भी भारी संख्या में तैनात रही। किसी तरह की अनहोनी न हो, इसको लेकर भी दिल्ली और हरियाणा पुलिस के अधिकारी मौके का दिन भर जायजा लेते रहे। हालांकि बहादुरगढ़ और दिल्ली बॉर्डरों पर पूरी तरह शांति बनी रही। बुधवार को दिल्ली सीमा सील होने का नौंवा दिन रहा। किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद से दिल्ली बॉर्डर पर पूरी तरह किलेबंदी की हुई है। यहां से केवल दो फुट का रास्ता लोगों के आवागमन के लिए चोड़ा गया है। कई लेयर में बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा के लिहाज से आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ के अलावा दिल्ली और हरियाणा पुलिस तैनात है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कड़े बंदोबस्त पुलिस प्रशासन और सरकार द्वारा किए गए हैं। बहादुरगढ़ में पांच लेयर की जबरदस्त बैरिकेडिंग की गई है। वहीं दिल्ली के टीकरी बॉर्डर पर 6 से 7 लेयर की बैरिकेडिंग है। यदि किसान पंजाब-हरियाणा के किसी भी बॉर्डर की बैरिकेडिंग तोड़ते हुए यहां पहुंचते हैं तो उनसे निपटने के लिए पुलिस प्रशासन ने भारी भरकम इंतजाम किए हैं। किसी भी सूरत में दिल्ली में किसानों को जाने नहीं दिया जाएगा। बुधवार को शंभू और दाता सिंह वाला बॉर्डर पर पुलिस और किसानों के बीच हुए तनाव को देखते हुए बहादुरगढ़ में भी कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। बहादुरगढ़ में पैरामिलिट्री और पुलिस की 10 कंपनियां तैनात हैं। टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर दिनभर साउंड सिस्टम और कैमरों को जांचा गया। टीकरी बॉर्डर पर काफी संख्या में मेट्रो पिल्लरों के अलावा लोहे के गेट पर लगाए गए कैमरों को कर्मचारियों ने चेक किया। किसी में कोई खराबी दिखी तो उसे तुरंत ठीक किया गया।

नीतीश चाचा ने पलटने का रिकार्ड बनाया : तेजस्वी यादव

17 महीने में पांच लाख लोगों को दी नौकरी

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पूर्व डिप्टी सीएम एवं प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा नीतीश चाचा ने पलटने का रिकार्ड बनाया। पहले कहते थे, कि मीडिया को मोदी जी ने हाईजैक कर लिया है।अब तो वे खुद ही हाइजैक हो गये। यह तंज उन्होने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कसते हुए परिभाषित किया कि वे अक्सर मीडिया वालो से बोलते थे कि आप लोगों को मोदी जी ने हाईजैक कर लिया है। इसलिए आप लोग मेरी बात न तो ठीक से छापते है और नही चलाते है। श्री यादव अपने जन विश्वास यात्रा के दुसरे दिन मोतिहारी के स्पोर्टस क्लब के मैदान में एक महत्ती जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम जन विश्वास यात्रा के जरीय 33 जिलो में जायेंगे तथा लोगो को 17 महीने बनाम 17 साल के काम को बतायेंगे। श्री यादव ने कहा कि जब नीतीश कुमार बीजेपी के साथ थे तो कहते थे कि नौकरी असंभव है। लेकिन जब वह महागठबंधन में आये तो हमने महज 17 महीने में पांच लाख लोगों को नौकरी दी। आश्चर्य जताते हुए कहा कि न जाने वे क्यों पटली मार कर बीजेपी के साथ चले गये। आने वाले समय में लोग इसका हिसाब लेंगे। उन्होने अपनी पार्टी के संबंध में साफ किया कि राजद अब केवल माई नही, बल्कि माई-बाप के साथ ही ए टू जेड की पार्टी है। उन्होंने कहा कि राजद विकास एवं रोजगार की पार्टी है। इस दौरान उन्होने महागठबंधन सरकार में किए गए राज्य और जिले के लिए किए गए कार्यो को भी गिनाया। जनसभा के माध्यम से उन्होने 2024 के लोकसभा चुनाव एवं 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए एकबार फिर से राजद विश्वास जताने की अपील की। इसके पूर्व कार्यक्रम में पहुंचे तेजस्वी यादव का पार्टी नेताओं ने फुल मालाओं के अलावा अंगवस्त्र से सम्मानित किया। श्री यादव ने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री का एक बार शपथ होता है, तो पांच साल सरकार चलती है, लेकिन मुख्यमंत्री ने साढ़े तीन साल में तीन बार ओथ लिए। ऐसा देश में कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नीतीश चाचा ने पलटी मार मार कर नौ बार मुख्यमंत्री का शपथ लेकर रिकॉर्ड कायम कर दिया है। इस दौरान उन्होने स्थानीय मुद्दों को उठाते हुए स्थानीय सांसद पर भा निशाना साधा। कार्यक्रम में कांग्रेस के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे। मौके पर राज्यसभा सदस्य मनोज झा, संजय यादव, पूर्व मंत्री आलोक मेहता, डॉ. शमीम अहमद, राजद नेता बिनोद श्रीवास्तव, विधायक मनोज यादव सहित अन्य मौजूद थे।

सांसद सुनीता दुग्गल के आवास पर किसानों ने लगाया धरना

सिरसा (हिंस)। किसान आंदोलन के तहत आज सिरसा में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने सांसद सुनीता दुग्गल के हुडा सेक्टर स्थित आवास के आगे प्रदर्शन किया तथा सरकार का पुतला फूंका। सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान आंदोलन को और अधिक तेज करने के लिए भाजपा के सभी विधायकों व सांसदों के आवास पर धरना देकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। उसी ऐलान के तहत आज किसान बरनाला रोड स्थित शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एकत्र हुए। गांवों से बड़ी संख्या में किसान स्टेडियम में पहुंचे। यहां किसान नेता प्रहलाद सिंह भारूखेड़ा, लखविंद्र सिंह अलीका, सुरजीत बेगू, बाबा गुरदीप सिंह, मैड़स साहुवाला सहित अन्य नेताओं ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। दोपहर बाद किसान स्टेडियम से सांसद के आवास के लिए रवाना हुए। किसानों ने सरकार व अडाणी-अंबानी का पुतला भी ले रखा था। नारेबाजी करते हुए किसान हाउसिंग बोर्ड चौक से होते हुए सांसद के आवास पर पहुंचे। हालांकि रास्ते में पुलिस ने किसानों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान किसानों व पुलिस कर्मियों के बीच धक्का-मुक्की व बहस हुई। बाद में पुलिस अधिकारियों ने किसानों को सांसद के आवास की ओर कूच करने दिया। किसानों ने सांसद आवास के आगे पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। सरकार का पुतला जलाया और वहां धरना देकर बैठ गए। किसानों के धरने-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने बरनाला रोड स्थित भाजपा कार्यालय के आगे भी कर्मचारियों को तैनात किया है। सांसद के आवास के आगे भी डीएसपी अजायब सिंह के नेतृत्व में शहर थाना सिरसा, सिविल लाइन थाना प्रभारी तथा महिला थाने की पुलिस कर्मी तैनात हैं। किसान नेताओं ने कहा कि एमएसपी की गारंटी तक उनका आंदोलन चलता रहेगा। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से आगे जो भी आदेश मिलेगा, उसी के तहत आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल वे यहां धरना लगाकर बैठे हुए हैं।

अखिलेश यादव से मिलने पहुंचें सपा नेताओं को पुलिस ने रोका, नाराज सपाई सर्किट हाऊस के गेट पर धरने पर बैठे

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद के सर्किट हाऊस में आए सपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलने पहुंचें मंडल भर के सपा नेताओं को पुलिस प्रशासन ने सर्किट हाऊस के गेट पर रोक दिया। नाराज सपा नेता वहीं धरना पर बैठक गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कई बार सपा नेताओं की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को ठाकुरद्वारा में क्षेत्रीय सपा विधायक नवाब जान खां के आवास पर जाकर उनके नवविहाहित पुत्र मूसा खान और पुत्रवधू को आशीर्वाद दिया। इसके बाद अखिलेश हेलीकाप्टर से दोपहर में मुरादाबाद के दिल्ली रोड स्थित सर्किट हाऊस में पहुचें। जहां उनसे मिलने के लिए मंडलभर के सैकड़ों की संख्या में सपाई एकत्रित हो गए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सपाईयों को सर्किट हाऊस के गेट पर ही रोक दिया। इसके बाद सभी नाराज हो गए और वहीं पर बैठकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान सपा संसदीय दल के नेता व मुरादाबाद लोकसभा से सांसद डॉ. एसटी हसन भी वहां पहुंच गए तो कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनसे शिकायत की। इसके बाद सपा सांसद ने पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की तो सांसद समेत अन्य प्रमुख नेताओं को अंदर जाने की अनुमति दे दी गई। इसके बाद सपा सुप्रीमो कार द्वारा मुरादाबाद में कांठ रोड स्थित सिद्ध हास्पिटल में भर्ती संभल लोकसभा से सांसद शफीकुर्रहमान बर्क से मिलने के लिए रवाना हो गए।

बगैर जातीय जनगणना के जनता को न्याय मिलना असंभव : राहुल गांधी

कानपुर (हिंस)। भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कानपुर के घंटाघर चौराहे पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में जातीय जनगणना के बाद ही न्याय मिल पाएगा। चाहे जितना चिल्लाओ इस सरकार में रोजगार नहीं मिलेगा। आपको सताया जा रहा है। भर्ती परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। मोदी एवं योगी सरकार में युवाओं को रोजगार, महिलाओं एवं किसानों को न्याय पुलिस और न्यायालयों से नहीं मिल रहा है। पिछड़ो, दलितों एवं आदिवासियों को किनारे कर दिया गया है। राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर देश के राष्ट्रपति को नहीं जाने दिया गया। वहां पिछड़ा, दलित और आदिवासी नहीं पहुंचे। वहां दिखाई दिए, अडानी और अंबानी सहित देश के अन्य पंद्रह प्रतिशत के लोग ही वहां ऐसे मौके पर दिखे। देश में 85 प्रतिशत के लोगों को किनारे कर दिया गया है। महेज पंद्रह प्रतिशत वालों का अब कब्जा हो चुका है। अब बहुत आवश्यक हो गया है कि देश में जातीय जनगणना होना चाहिए। जिसके बाद ही देश की जनता को न्याय मिल पाएगा। हम देश की जनता को उनका हक दिलाने के लिए देश भर का दौरा कर रहें है। जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देना चाहता हू जो हमे सुनने के लिए इतनी भारी संख्या में यहां पहुंचे। इसके बाद राहुल गांधी सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। बतादें कि राहुल गांधी यात्रा लगभग 28 किलोमीटर तय की गई थी लेकिन कतिपय कारणों से उसे महज दो किलोमीटर में ही संपन्न करा दिया गया। इस मौके जिला अध्यक्ष कांग्रेस नौशाद आलम मंसूरी, कांग्रेसी नेता अजय कपूर, अंबुज शुक्ला, हरि प्रकाश अग्निहोत्री, टिल्लू ठाकुर, महेन्द्र सिंह समेत हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ में इंडी गठबंधन की जीत पर आम आदमी पार्टी ने मनाया जश्न

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) की जिला कार्यकारिणी ने बुधवार को चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर पद पर आआपा और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार कुलदीप कुमार की जीत पर जश्न मनाया। जिला पार्टी कार्यालय पर ढोल, नगाड़ों के साथ जीत की खुशी में लड्डू बांटे। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने उत्साह में एक दूसरे को बधाई दी। इस मौके पर चौधरी आदर्श पाल ने पत्रकारों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से लोकतंत्र और इंडी गठबंधन की जीत की शुरुआत हुई है, दिल्ली और पंजाब के बाद चंडीगढ़ में भी आआपा का राज होगा। इससे साबित होता है कि भाजपा को आआपा और कांग्रेस मिलकर हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पूरे देश ने देखा था कि कैसे लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया गया। पत्रकारवार्ता में जिला अध्यक्ष गगनदीप ने आगे बताया कि अब दिल्ली पंजाब और चंडीगढ़ के बाद वर्ष 2024 में हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए मंथन शुरू कर दिया है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय के अनुसार आम आदमी पार्टी चुनाव में पार्टी 90 सीटों पर अकेले अपने दम पर लड़ेगी। जनता में आम आदमी पार्टी के प्रति विश्वास बढ़ा है। प्रदेश में आने वाला समय आआपा का है। इस मौके पर जिला मीडिया इंचार्ज लक्ष्मण विनायक, अंबाला लोकसभा उपाध्यक्ष राहुल भान मोहित सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

परमाणु नगरी पोकरण से हुआ मरू महोत्सव का भव्य आगाज

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर जिले के पोकरण में जग विख्यात चार दिवसीय मरू महोत्सव का आगाज बुधवार को हुआ। लोक लहरियों की गूंज और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य शोभायात्रा में निकाली गई। इससे पहले विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला कलेक्टर प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी सहित अतिथियों ने सालम सागर तालाब पर स्थित नेपालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की। मरू महोत्सव के शुभारंभ पर समूचे शहर में उत्साह पसरा रहा। रास्ते भर व्यवसायियों, विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं और शहरवासियों ने रंगोली व मांडने बनाकर तथा पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा में सीमा सुरक्षा बल के बैंड ने राजस्थानी गीतों की धुनों पर स्वर लहरियां बिखेरी वही लोक वाद्यों की स्वर लहरियों पर कलाकारों के कई समूहों ने आकर्षक लोकनृत्य प्रस्तुत कर खूब मनोरंजन करते हुए मरुभूमि और राजस्थान की लोक संस्कृति का परिचय दिया। शोभायात्रा में सजे धजे ऊंटों पर सवार बीएसएफ के जवान व बीएसएफ की महिला टुकड़ी हाथों में तिरंगा लिए हुए थी। वहीं सजी धजी रंगीन पोशाकों में मंगल कलश धारण की हुई बालिकाएं अनुपम छटा बिखेर रही थी। शोभायात्रा पंचायत समिति नगर पालिका जयनगर सर्कल से होते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक जहां पर लोक कलाकार द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई तथा वहीं स्कूली छात्र द्वारा भी सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए गए समझ में कई प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें मटका प्रेस प्रतियोगिता वह रास्ता काशी प्रतियोगिता आयोजित की गई कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केंद्र मिस्टर पोकरण व मिस पोकरण प्रतियोगिता रही जिसमें मिस्टर पोकरण का खिताब अभिषेक छंगाणी व मिस पोकरण का खिताब अंतिमा खत्री को दिया गया।

हेमंत सोरेन के विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के मामले में बहस पूरी, आदेश 22 को

रांची (हिंस)। जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से ईडी की विशेष अदालत में 23 फरवरी से शुरू हो रहे झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने मामले में बुधवार को बहस पूरी हो गई। मामले में ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत 22 फरवरी को आदेश सुनाएगी। हेमंत सोरेन की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बहस की। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि बजट सत्र में मनी बिल पास होता है, इसलिए हेमंत सोरेन का रहना जरूरी है। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा, जो दो मार्च तक चलेगा। हेमंत सोरेन अभी ईडी की न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले हेमंत सोरेन को विश्वास मत के दौरान सदन की कार्यवाही में शामिल होने की एक दिन की अनुमति ईडी कोर्ट से मिली थी।

यूपी बोर्ड परीक्षा गुरुवार से, इस बार 55 लाख हैं परीक्षार्थी

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश के 8, 265 परीक्षा केंद्रों पर एक साथ गुरुवार से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शुरू हो रही है। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं नौ मार्च को समाप्त होगी। इस परीक्षा में कुल 55, 25, 308 परीक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 1571184 छात्र तथा 1376127 छात्राएं (कुल-29, 47, 311) एवं इण्टरमीडिएट के 1428323 छात्र तथा 1149676 छात्राएं (कुल-25, 77, 997) सम्मिलित होंगे। कुल 55, 25, 308 परीक्षार्थियों में से 5360745 संस्थागत एवं 164563 व्यक्तिगत परीक्षार्थी हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने बताया कि नकल पर प्रभावी रोकथाम के कारण वर्ष 2024 में 164563 व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में पंजीकृत हुए हैं, जबकि 2017 में यह संख्या 3, 53, 106 थी। इसके अंतर्गत बाह्य प्रदेशों से 2017 में पंजीकरण कराने वाले 1, 50, 209 परीक्षार्थियों के स्थान पर वर्ष 2024 में बाह्य प्रदेशों/अन्य बोर्डो के परीक्षार्थियों की संख्या भी मात्र 4905 रह गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा परीक्षा केंद्रों का निर्धारण, उनकी धारण क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करते हुए, साफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन कराया गया। 2017 से पहले 12 हजार से भी अधिक केंद्र बनते थे किंतु ऑनलाइन केंद्र निर्धारण व्यवस्था से कम परीक्षा केंद्र (वर्ष 2024 की परीक्षा में 8265) बने, जिससे उनका पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण सुगम हुआ। दीपक कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन कराने के लिए विगत वर्षो में अपनाई गई प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया गया है। राज्य स्तर पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ के साथ-साथ विद्या समीक्षा केंद्र लखनऊ और परिषद मुख्यालय, प्रयागराज और 5 क्षेत्रीय कार्यालयों में भी कमांड एवम् कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं, जिनसे प्रदेश के समस्त परीक्षा केंद्रों एवं जनपद स्तरीय कंट्रोल एवम् मानीटरिंग सेंटर की लाइव मॉनीटरिंग की जायेगी। परीक्षार्थियों एवं जनसामान्य की शिकायतों का त्वरित निदान के लिए दो हेल्प नम्बर (1800 180 6607/8) तथा परीक्षार्थियों की जिज्ञासाओं के समाधान व मनोवैज्ञानिक परामर्श हेतु दो हेल्प नंबर (1800 180 5310/12) भी स्थापित किए गए हैं। इसी प्रकार जनपद स्तर पर भी कमांड एण्ड कंट्रोल सेन्टर, हेल्पलाइन व अन्य व्यवस्थाएं कराई गई है। परीक्षा केंद्रों के आस-पास 100 मीटर की परिधि में और आवश्यकता पडने पर उसके बाहर भी समाज विरोधी तत्वों अथवा वाह्य व्यक्तियों को एकत्र न होने देने हेतु जिला प्रशासन को दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत धारा-144 लागू करने सहित अन्य सभी एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रथम बार सभी केंद्र व्यवस्थापकों को प्रश्नपत्रों के रख-रखाव तथा परीक्षा संपादन के सम्बंध में व्यवस्था के विभिन्न आयामों को और वाह्य केंद्र-व्यवस्थापकों एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा संपादन हेतु अपने उत्तरदायित्वों को स्पष्ट करने हेतु प्रशिक्षित किया गया है। प्रथम बार परीक्षा कक्षों में लगाए गए लगभग 3.11 लाख कक्ष निरीक्षकों को सुरक्षित क्यूआर कोड एवं क्रमांकयुक्त कंपूटराइज्ड परिचय पत्र जारी किया गया है।

बाजार में हरियाली; निफ्टी नए हाई पर पहुंचा, सेंसेक्स में सपाट कारोबार

नई दिल्ली।

भारतीय इक्विटी इंडेक्स लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ खुले। इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 बैंकिंग, फाइनेंशियल और ऑटो स्टॉक की मजबूती के साथ सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सुबह करीब 9.20 बजे बीएसई सेंसेक्स 68 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 73,125 पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 18 अंक या 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,215 पर कारोबार कर रहा था।

भारतीय इक्विटी इंडेक्स लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ खुले। इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 बैंकिंग, फाइनेंशियल और ऑटो स्टॉक की मजबूती के साथ सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सुबह करीब 9.20 बजे बीएसई सेंसेक्स 68 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 73,125 पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 18 अंक या 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,215 पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स के शेयरों में जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक लाभ में रहे, जबकि इन्फोसिस, टीसीएस, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा गिरावट के साथ खुले।

बाजार नियामक सेबी द्वारा कंपनी के खातों में 240 मिलियन डॉलर से अधिक की अनियमितता पाए जाने के बाद जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत से अधिक गिर गए। इसके अलावा, ज़ी ने स्पष्ट किया कि रद्द किए गए विलय सौदे को पुनर्जीवित करने के लिए सोनी के साथ नए सिरे से बातचीत की बात गलत है और कंपनी किसी भी बातचीत में शामिल नहीं है।

हिडाल्को की अमेरिकी सहायक कंपनी नोवेलिस ने कहा है कि उसने अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के समक्ष प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश लाने के लिए आवेदन दिया है। इसके बाद हिंडाल्को के शेयरों में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

नीतिगत दृष्टिकोण के अनुमान के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक की पिछली बैठक के ब्योरे सार्वजनिक होने से पहले, शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी 0.5 प्रतिशत गिर गया। निफ्टी ऑटो, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। उधर, जी एंटरटेनमेंट ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया है कि सेबी को उनके खातों में 24 करोड़ डॉलर या 2,000 करोड़ रुपये की गड़बड़ी मिली है। उन्होंने कहा, कंपनी में लेखा से जुड़ी खबरें गलत और झूठी हैं। हम सेबी द्वारा मांगी गई सभी टिप्पणियां प्रदान करने की प्रक्रिया में हैं और सभी पहलुओं पर पूर्ण सहयोग प्रदान कर रहे है।

न्यूज ब्रीफ

पीएफआरडीए ने पेंशन फंड, एनपीएस ट्रस्ट के लिए सरलीकृत नियमों को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने अनुपालन की लागत को कम करने और व्यापार करने में सहूलियत को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली ट्रस्ट (एनपीएसटी) और पेंशन फंड विनियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण की ओर से जारी राष्ट्रीय पेंशन सिस्टम ट्रस्ट (दूसरा संशोधन) विनियम 2023 और पेंशन फंड (संशोधन) विनियम 2023 क्रमशः 05 फरवरी और 09 फरवरी से प्रभावी हो गए हैं। एनपीएस ट्रस्ट के विनियमों में इन संशोधनों से ट्रस्टियों की नियुक्ति, उनके नियम और शर्तें, ट्रस्टी बोर्ड की बैठकें आयोजित करने और सीईओ तथा एनपीएस ट्रस्ट की नियुक्ति से संबंधित प्रावधानों को सरल बना दिया गया है। पेंशन फंड विनियमों में संशोधन से कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप पेंशन फंड के संचालन से संबंधित प्रावधान सरल हुए हैं। ये प्रावधान हुए सरल- -पेंशन फंड द्वारा लेखापरीक्षा समिति और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति जैसी अतिरिक्त बोर्ड समितियों का गठन। -नाम खंड में पेंशन फंड नाम शामिल करना और 12 महीने की अवधि के भीतर इस प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए मौजूदा पेंशन फंड की आवश्यकता। -पेंशन फंड द्वारा प्रबंधित योजनाओं की वार्षिक रिपोर्ट में निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण शामिल करना। इसके अलावा प्रमुख क्षेत्रों में संशोधनों का उद्देश्य सरलीकरण और अनुपालन को कम करना है। संशोधित नियमों की विस्तृत जानकारी के लिए पीएफआरडीए की वेबसाइट एनपीएस ट्रस्ट और पेंशन फंडः पर आप जाकर विस्तृत जानकारी हासिल कर सकते हैं। उपरोक्त संशोधन अनुपालन की लागत को कम करने, व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने और केंद्रीय बजट 2023-24 की घोषणा के अनुरूप हैं।

जयपुरिया लखनऊ बना उद्यमिता का केंद्र, मयंक सिसोदिया को मिला शार्क टैंक इंडिया से 1 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट हमेशा से ही अपने नवाचारों और विशेष पहलों के लिए जाना जाता है। साथ ही जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टूडेंट फर्स्ट के सिद्धांत को आगे रखता है, इसलिए यह संस्थान जो भी गतिविधियां संचालित करता है उसका मुख्य उद्देश्य छात्र विकास और उनकी भागीदारी होती है। आज के बदलते परिवेश में कई सारे युवा नौकरी करने की जगह अपना खुद का बिजनेस या स्टार्टअप शुरू करने के प्रति काफी ज्यादा आकर्षित हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत में स्टार्टअप कल्चर काफी तेजी से बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप कई सारे युवाओं ने सफलतापूर्वक न सिर्फ खुद का स्टार्टअप शुरू किया है, बल्कि वो उसे आज नई ऊंचाइयों तक लेकर गए हैं। भारत में बढ़ते हुए इसी स्टार्टअप कल्चर और युवाओं का इसके प्रति आकर्षण को समझते हुए, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने अपने यहां के छात्रों के ड्रीम्स को बढ़ावा देने के लिए अपने एमबीए पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा अर्थात् एक्सपीरियंशियल एजुकेशन पर विशेष ध्यान दिया है।

नैसकॉम-बीसीजी की रिपोर्टः 2027 तक 17 अरब डॉलर का होगा घरेलू एआई बाजार, भारत में हर साल हो रही बढ़ोत्तरी

मुंबई। भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार हर साल 25-35 फीसदी दर से बढ़ रहा है। इसके 2027 तक बढ़कर 17 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि उद्यम प्रौद्योगिकी खर्च में इजाफा, देश के बढ़ते एआई प्रतिभा आधार और एआई निवेश में बढ़ोतरी सहित कई कारकों से प्रेरित है। नैसकॉम-बीसीजी की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर एआई निवेश में 2019 से 24 फीसदी की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। 2023 में 83 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जिनमें अधिकतर डाटा एनालिटिक्स, जेनएआई में हुए। 93 प्रतिशत निवेश डिजिटल सामग्री में नैसकॉम की अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा, भारतीय प्रौद्योगिकी सेवाओं और भारत में निर्मित उत्पाद में से करीब 93 फीसदी निवेश डिजिटल सामग्री, डाटा एनालिटिक्स व आपूर्ति श्रृंखला पर केंद्रित है। भारतीय कंपनियां एआई को अपनाने के साथनए उद्योग मानक स्थापित कर रही हैं। देश में दूसरा सबसे बड़ा प्रतिभा आधार रिपोर्ट के अनुसार, एआई में काम करने वाले 4.20 लाख कर्मचारियों के साथ भारत में दूसरा सबसे बड़ा स्थापित प्रतिभा आधार है।

वॉट्सऐप में आएगा स्क्रीनशॉट ब्लॉकिंग-प्रोफाइल फोटो फीचर

यूजर की परमिशन के बिना प्रोफाइल पिक्चर का स्क्रीनशॉट नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली।

मेटा का इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप में अब कोई भी प्रोफाइल पिक्चर का स्क्रीनशॉट नहीं ले सकेगा। इसके लिए कंपनी जल्द ही ऐप में स्क्रीनशॉट ब्लॉकिंग - प्रोफाइल फोटो फीचर लेकर आने वाली है। इस फीचर में यूजर अपनी प्रोफाइल पिक्चर को ब्लॉक कर सकेगा। इससे उसकी परमिशन के बिना कोई भी प्रोफाइल पिक्चर का स्क्रीनशॉट नहीं ले पाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, वॉट्सऐप ने इस फीचर को एंड्रॉएड बीटा टेस्टर्स के लिए लॉन्च किया है। टेस्टिंग के बाद नए अपडेट में इसे सभी यूजर्स के लिए रोल आउट किया जाएगा। फीचर का इस्तेमाल करने के लिए यूजर को अपडेट वर्जन 2.24.4.25 इंस्टॉल करना होगा। कंपनी यूजर की प्राइवेसी बढ़ाने के लिए यह फीचर ला रही है।

स्क्रीनशॉट लेने पर मिलेगा वार्निंग मैसेज

वॉट्सऐप ने करीब 5 साल पहले दूसरे यूजर्स की प्रोफाइल फोटो सेव करने का ऑप्शन हटा दिया था, लेकिन अभी स्क्रीनशॉट लिया जा सकता है। इस फीचर के आने के बाद अगर कोई आपके प्रोफाइल पिक्चर का स्क्रीनशॉट लेगा तो उसे वार्निंग मैसेज (ऐप प्रतिबंधों के कारण स्क्रीनशॉट नहीं ले सकते) नजर आएगा।

रिपोर्ट में एक स्क्रीनशॉट भी सामने शेयर किया गया है। इसमें आप देख सकते हैं कि जब किसी प्रोफाइल फोटो का स्क्रीनशॉट लेने की कोशिश करते हैं, तो एक वार्निंग मैसेज आ जाता है।

यह नया फीचर यूजर्स की परमिशन के बिना प्रोफाइल फोटो कैप्चर करने और शेयर करने से रोकता है। इससे यूजर को प्राइवेसी प्रोटेक्शन की एक एक्स्ट्रा लेयर मिलती है। हालांकि यूजर्स अभी भी प्रोफाइल फोटो चुराने के लिए किसी सेकेंडरी इक्विपमेंट या कैमरे का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन ऐप के अंदर कंपनी ने स्क्रीनशॉट को ब्लॉक कर दिया है।

डीपफेक रोकने के लिए हेल्पलाइन शुरू करेगा वॉट्सऐप

एआई -जनरेटेड मिस इनफार्मेशन खास तौर पर डीपफेक से निपटने के लिए वॉट्सऐप जल्द हेल्पलाइन शुरू करेगा। इसके लिए वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा और मिसइन्फॉर्मेशन कॉम्बैट एलायंस ने पार्टनरशिप की है।

यह हेल्पलाइन चैटबॉट के रूप में रहेगी, जो इंग्लिस के साथ तीन लोकल लैंग्वेज (हिंदी, तमिल और तेलगु) में शुरू होगी। देशभर के यूजर्स इसे इस्तेमाल कर सकेंगे। चैटबॉट के जरिए टेक्स्ट मैसेज, इमेज और वीडियो भेजकर उसकी जांच करने के लिए रिपोर्ट कर सकेंगे।

डीपफेक एनालिसिस यूनिट स्थापित करेगा एमसीए

वॉट्सऐप हेल्पलाइन के जरिए मिलने वाली शिकायतों को एनालाइज और मैनेज करने के लिए एमसीए एक सेंट्रल डीपफेक एनालिसिस यूनिट स्थापित करेगा।

गलत जानकारियों के फैलने से रोकन के लिए डीएयू जरूरी

मेटा में पब्लिक पॉलिसी इंडिया के डायरेक्टर शिवनाथ ठुकराल ने कहा कि हम एआई के जरिए तैयार की गई मिसइनफॉर्मेशन की चिंताओं को पहचानते हैं। हमारा मानना हैं कि इससे निपटने के लिए पूरे इंडस्ट्री को ठोस और जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

वहीं, एमसीए के चेयरमैन भरत गुप्ता ने कहा कि डीपफेक एनालिसिस यूनिट भारत में सोशल मीडिया और इंटरनेट यूजर्स के बीच एआई से तैयार की गई गलत जानकारियों के फैलने से रोकन के लिए जरूरी है।

डीपफेक रोकना सोशल मीडिया प्लेटफार्म की जिम्मेदारी

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में सभी इंटरनेट प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करने का कानूनी दायित्व है कि उनके प्लेटफार्म पर उनके यूजर्स कोई गलत जानकारी या डीपफेक पोस्ट न करें।

जनवरी में 47 लाख निवेशकों ने खोले खाते, एम्फी के आंकड़े, उद्योग के आकार में भी इजाफा

नई दिल्ली।

बढ़ती जागरूकता और डिजिटलीकरण के जरिये लेनदेन सुगम होने से जनवरी, 2024 में 46.7 लाख निवेशकों ने म्यूचुअल फंड खाते खोले। इससे म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ गया है। जनवरी में खुले नए खातों की संख्या 2023 के औसत मासिक आंकड़ों की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। पिछले साल हर महीने औसतन 22.3 लाख नए म्यूचुअल फंड खाते खुले थे।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, इन खातों की कुल संख्या भी बढ़कर 16.96 करोड़ पहुंच गई है। यह एक साल पहले पंजीकृत 14.28 करोड़ खातों की तुलना में 19 फीसदी अधिक है। दिसंबर, 2023 में 16.49 करोड़ खातों की तुलना में जनवरी में करीब तीन फीसदी की वृद्धि देखी गई है।

पिछले महीने खोले गए 46.7 लाख खातों में इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 34.7 लाख रही। हाइब्रिड फंड्स ने 3.36 लाख नए खाते जोड़े। हालांकि, डेट फंड्स में लगातार पांचवें महीने गिरावट रही।

नए निवेशकों में युवाओं की संख्या अधिक

व्हाइटओक म्यूचुअल फंड के मुख्य कारोबार अधिकारी प्रतीक पंत ने कहा, नए निवेशकों में नई पीढ़ी के युवाओं की तादाद काफी ज्यादा है। अधिकांश नए निवेशक म्यूचुअल फंड क्षेत्र में प्रवेश के लिए डिजिटल चैनलों का रास्ता अपना रहे हैं। उधर, उच्चस्तरीय डिजिटल साक्षरता, खर्च योग्य आय में वृद्धि और वित्तीय साक्षरता ने भारतीयों को पारंपरिक वित्तीय साधनों से अलग हटकर देखने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दिसंबर, 2023 में शुद्ध रूप से 15.62 लाख सदस्य जोड़े। यह दिसंबर, 2022 की तुलना में 4.62 फीसदी अधिक है।पेरोल आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 8.41 लाख नए सदस्य नामांकित हुए। कुल जोड़े गए नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का हिस्सा 57.18 फीसदी रहा।वहीं, ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर गए 12.02 लाख सदस्य वापस आ गए।

मुकेश अंबानी के सहयोग से मार्च में आएगा देश का पहला एआई मॉडल हनुमान, 11 भाषाओं में करेगा काम

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों की ओर से समर्थित एक समूह अगले महीने अपनी पहली चैटजीपीटी जैसी एआई सेवा शुरू करेगा। भारतजीपीटी समूह, का समर्थन करने वालों में भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस और आठ संबद्ध विश्वविद्यालयों की एक शाखा शामिल है। समूह ने मुंबई में एक प्रौद्योगिकी सम्मेलन के दौरान अपने बड़े एआई भाषा मॉडल की एक झलक पेश की।

इस दौरान एक बाइक मैकेनिक को एआई मॉडल के साथ तमिल में सवाल पूछते हुए दिखाया गया, जबकि एक बैंकर को एआई बॉट के साथ हिंदी में बात करते हुए देखा गया। इसके साथ ही एक डेवलपर ने एआई मॉडल की मदद से कंप्यूटर कोड भी लिखा।

रिलायंस की मदद से बनाए गए इस एआई मॉडल का नाम हनुमान रखा गया है। यह एआई मॉडल 11 स्थानीय भाषाओं में काम करने में सक्षम होगा। हनुमान एआई मॉडल, शासन, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय सेवाओं जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता में रखकर अपनी सेवाएं देगा।

यदि यह मॉडल सफल होता है, तो यह एआई प्रौद्योगिकी विकसित करने की दौड़ में भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। पिछले साल एक कार्यक्रम के दौर रिलायंस जियो इंफोकॉम के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक कार्यक्रम के दौरान आईआईटी बॉम्बे के साथ एक प्रोजेक्ट पर साल 2014 से काम करने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि जियो 2.0 के साथ भारतजीपीटी की भी शुरुआत की जाएगी।

निर्मला सीतारमण ने एफएसडीसी की बैठक में अर्थव्यवस्था की समीक्षा की

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। वित्त मंत्री ने बैठक में अर्थव्यवस्था की समीक्षा की। बैठक का उद्देश्य बड़े वित्तीय समूहों के कामकाज की निगरानी सहित अर्थव्यवस्था की व्यापक-विवेकपूर्ण निगरानी सुनिश्चित करना था।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास भी उपस्थित थे।

एफएसडीसी की बैठक में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख लोगों में वित्त सचिव, व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों और राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव, देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार तथा सेबी के अध्यक्ष शामिल थे। इसके अलावा पीएफआरडीए, आईएफएससीए, आईबीबीआई और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की स्थापना 2010 में हुई थी। यह वित्त मंत्रालय के तहत एक गैर-सांविधिक शीर्ष परिषद है। इसकी स्थापना का प्रस्ताव सबसे पहले वित्तीय क्षेत्र के सुधारों पर गठित रघुराम राजन समिति (2008) ने किया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निराशा का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बुरी तरह से प्रभावित हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,977.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 167.15 अंक यानी 1.06 प्रतिशत टूट कर 15,608.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,527.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,719.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,068.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,795.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 5 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,262 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,385.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 488.41 अंक यानी 2.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,735.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 1.69 प्रतिशत उछल कर 2,972.87 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 162.03 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,201.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.30 प्रतिशत टूट कर 3,234.43 अंक तक लुढ़क गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स भी फिलहाल 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,686.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.38 प्रतिशत टूट कर 2,647.57 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,300.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ईडी ने कोलकाता में की छापेमारी, करोड़ों रुपये अवैध तरीके से विदेश भेजने का मामला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) फर्जी कॉल सेंटर घोटाले के सिलसिले में कोलकाता के कई स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चला रहा है। एक वरीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेनियापुकुर और बागुईहाटी इलाकों में मेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के मालिक के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। ईडी अधिकारी ने बताया, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि धन का कहां गबन किया गया और इन लोगों ने क्या भूमिका निभाई। ऐसा लगता है कि कई करोड़ रुपये की धनराशि अवैध रूप से विदेश भेजी गई। हवाला कनेक्शन से इनकार नहीं किया जा सकता है। एजेंसी के मुताबिक, राज्य सीआईडी ने फर्म के मालिक को पिछले साल सितंबर में फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से विदेशी और भारतीय नागरिकों से लगभग 1,000 करोड़ रुपये चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसे उसने 2005 में खोला था।

भारतीय महिला टीम विश्व चैंपियनशिप के नॉकआउट दौर में, पुरुषों ने न्यूजीलैंड को हराया

नई दिल्ली ।
भारतीय महिला और पुरुष टेबल टेनिस टीम ने विश्व टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप के अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में जीत के साथ नॉकआउट चरण में जगह पक्की की। महिला टीम ने जहां, स्पेन के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 से मुकाबला जीता। वहीं, पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया। भारतीय महिला टीम को स्पेन से कड़ी टक्कर मिली। श्रीजा अकुला और मनिका बत्रा के शुरुआती दोनों मैचों में हारने के बाद अयहिका मुखर्जी ने जीत के साथ भारत की मुकाबले में वापसी कराई। इसके बाद श्रीजा और मनिका चौथे और पांचवें मैच को जीतने में सफल रहे। श्रीजा शुरुआती एकल में मारिया जियाओ से 9-11, 11-9, 11-13, 4-11 से हार गईं। सोफिया-जुआन झांग ने भारत की शीर्ष रैंक वाली खिलाड़ी मनिका पर 13-11,6-11,8-11,11-9,11-7 से जीत के साथ स्पेन का स्कोर 2-0 कर दिया। अयहिका ने तीसरे एकल में एल्विरा रेड को 11-8, 11-13, 11-8, 9-11, 11-4 से हराकर भारत को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद मनिका ने चौथे एकल में मारिया को 11-9, 11-2, 11-4 से हराकर स्कोर 2-2 कर दिया। श्रीजा ने निर्णायक मैच में झांग पर 11-6, 11-13, 11-6, 11-3 से जीत दर्ज कर भारत को सफलता दिलाई। ओलंपिक टिकट के लिए चाहिए दो जीत भारत चार मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप एक में दूसरे स्थान पर रहा। इस ग्रुप में चीन शीर्ष स्थान पर रहा। भारत को ग्रुप चरण में एकमात्र हार चीन से मिली। चीन के खिलाफ अयहिका और श्रीजा ने विश्व की नंबर एक और नंबर दो खिलाड़ी क्रमशः सुन यिंघसा और वांग यिदि को हराया था। इस स्पर्धा में 40 टीमों में से भारत नॉकआउट में जगह बनाने वाली 32 टीमों में शामिल है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लेंगी। ओलंपिक टिकट के लिए भारतीय महिला टीम को लगातार दो जीत दर्ज करनी होगी। मानुष ने दो गेम हारने के बाद की वापसी पुरुष वर्ग में गत राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई ने चोई टिमोथी को 11-5, 11-1, 11-6 से तो साथियान ने डेला को 11-3, 11-7, 11-6 से हराया। उसके बाद मानुष शाह ने दो गेम हारने के बाद मैक्सवेल हेंडरसन को 10-12, 6-11, 11-4, 11-8, 11-6 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाएंगे स्टीव स्मिथ न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने प्लेइंग इलेवन में नहीं दी जगह

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलने की उम्मीदों को झटका लगा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में उन्हें बेंच पर बैठना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच के लिए एक मजबूत टॉप ऑर्डर उतराने की बात कही है, जबकि स्टीव स्मिथ के खेलने ने पर संदेह जताते हुए मध्यक्रम में बदलाव के संकेत दिए थे। पहले टी20 के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में ट्रेविस हेड और डेविड वार्नर ने पारी की शुरुआत की। उसके बाद मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिस, टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट ने मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली। पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, एडम जम्पा और जोश हेजलवुड ने गेंदबाजी संभाली। स्मिथ को बाहर करने के कई कारण हो सकते हैं। टीम ने बदल दी है रणनीति इनमें से प्रमुख है टीम की वर्तमान रणनीति और संरचना। ऐसा लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन विस्फोटक बल्लेबाजी और बहुमुखी प्रतिभा को प्राथमिकता दे रहा है। जोकि टी20 के लिहाज से ठीक भी है। ट्रेविस हेड और डेविड वार्नर ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और मिचेल मार्श ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। स्मिथ के लिए नहीं बची है जगह इसके अलावा, चौथे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं। निचले क्रम में टिम डेविड और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों की उपस्थिति के बाद स्मिथ के लिए बहुत कम जगह बनती है।

अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी इंग्लैंड : मैक्कुलम

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने कहा है कि रांची में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट में भी उनकी टीम अपनी आक्रामण रणनीति से ही उतरेगी। मैक्कुलम ने भारतीय टीम को चेताया है कि उनकी टीम तीसरे मुकाबले में मिली करारी हार के बाद भी अपनी आक्रामक रणनीति को नहीं बदलेगी और जीत के इरादे से उतरेगी। कोच को अब भी भरोसा है कि उनकी टीम इस सीरीज में बाजी पलटने में सफल रहेगी। इंग्लैंड के कोच ने कहा कि हम अब भी बाजी पलटेंगे और भारत को फिर से दबाव में लाने के प्रयास करेंगे। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। उन्होंने माना कि भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में मिली करारी हार से सभी खिलाड़ी आहत हैं पर इससे वह निराश नहीं हैं। टीम के सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन में सक्षम हैं। मेहमान टीम ने सीरीज का पहला मैच हैदराबाद में जीता था पर इसके बाद उसे दूसरे और तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इन मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज नाकाम रहे थे। टीम को तीसरे टेस्ट में 434 रनों से बेहद करारी हार झेलनी पड़ी थी। ये साल 1934 के बाद रनों के लिहाज से इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार थी।

यूएई क्रिकेट टीम के हेड कोच बने लालचंद राजपूत

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लालचंद राजपूत को तीन साल के लिए यूएई पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। लालचंद राजपूत ने 1985 से 1987 तक भारत के लिए दो टेस्ट और चार वनडे खेले। यूएई क्रिकेट टीम में लालचंद ने अंतरिम मुख्य कोच मुदस्सर नज़र की जगह ली है। 62 वर्षीय राजपूत, दक्षिण अफ्रीका में 2007 में पहला पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाली एमएस धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम के मैनेजर थे। साथ ही 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले सीजन में मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच के रूप में भी उन्होंने कार्य किया है। लालचंद राजपूत, 2016 से 2017 तक अफगानिस्तान की टीम के साथ जुड़े थे। फिर, 2018 से 2022 तक जिम्बाब्वे पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया। राजपूत ने एक बयान में कहा, इस भूमिका में मुझे नियुक्त करने के लिए मैं क्रिकेट बोर्ड को धन्यवाद देना चाहता हूं। यूएई हाल के वर्षों में मजबूत एसोसिएट सदस्यों में से एक के रूप में उभरा है। खिलाड़ियों ने वनडे और टी20 दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। क्रिकेट का भविष्य बहुत उवल है। मेरा लक्ष्य टीम को और अधिक लगातार प्रदर्शन करना और उन्हें आगे तक ले जाना होगा।

चंडीगढ़ के हर्ष को 50 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण, शुभ्रांत ने 200 मीटर में जीता सोना

गुवाहाटी ।
तैराकों ने जैन यूनिवर्सिटी, बंगलूरू को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्णिम शुरुआत दिलाई है। शुभ्रांत पात्रा ने 200 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं 4 गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल का स्वर्ण भी जीता। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के हर्ष सरोहा ने 50 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण पदक जीता। सार्वजनिक यूनिवर्सिटी की कल्याणी सक्सेना ने 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले का स्वर्ण जीता। यह उनका इन खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक है। वहीं सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल व टेक्निकल साइंसेज के एस धनुष ने 50 मीटथ ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण जीता। उनका भी यह इन खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक है।

वेटलिफ्टिंग में विजय, स्नेहा ने जीते स्वर्ण

50 मीटर बटरफ्लाई में हर्ष सरोहा ने 25.20 सेकंड का समय निकाला। वेटलिफ्टिंग के मुकाबलो में 55 भार वर्ग में पीआरएसयू के विजय कुमार महेश्वरी ने 224 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। 67 भारवर्ग में पीयू के टी धरुन ने 255 किलो वजन के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। 73 भारवर्ग में एसबीबीएसयू के जसकरण राम ने 271 किलो के साथ स्वर्ण जीता। लड़कियों के 55 भार वर्ग में केआईआईटी की स्नेहा ने 172 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता।

पंजाब यूनिवर्सिटी की रमनदीप को ने 165 किलो के साथ रजत और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की शालू ने 159 किलो के साथ कांस्य पदक जीता। 59 भार वर्ग में सीयू की उषा ने 185 किलो के साथ और 64 भार वर्ग में जीकेयू की पूजा राजेश ने 176 किलो वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दिल्ली लीग में फिक्सिंग के आरोपों की जांच करेगा फुटबॉल महासंघ, आत्मघाती गोलों से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) दिल्ली प्रीमियर लीग में सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग के आरोपों के सामने आने के बाद इस खतरे की तह तक पहुंचने के लिए सरकारी एजेंसियों की मदद से देश के विभिन्न शहरों में जांच शुरू करेगा। दिल्ली लीग में मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी का संदेह तब पैदा हुआ जब अहबाब एफसी ने रेंजर्स एफसी के खिलाफ मैच के आखिरी क्षणों में दो आत्मघाती गोल किए। अहबाब एफसी पहले इस मैच को 4-0 जीत रहा था लेकिन आखिर में उसने 4-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों आत्मघाती गोल के वीडियो 'वायरल' हो गए। इसके बाद एआईएफएफ ने इस संदेहास्पद मैच की विस्तृत जानकारी देने के लिए फुटबॉल दिल्ली के प्रमुख अनुज गुप्ता को तलब किया और उन्हें नोटिस भी सौंपा। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि वह जांच शुरू करने और सट्टेबाजी सिंडिकेट की तह तक जाने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क करेंगे। चौबे ने बयान में कहा, 'हमारी जांच दिल्ली तक की सीमित नहीं रहेगी। हमारे पास अन्य शहरों में भी इस तरह के चलन पर विश्वास करने के कारण हैं और हम जांच के लिए विस्तृत नेटवर्क तैयार करेंगे। दिल्ली मैच से संबंधित आरोपों के बारे में राष्टीय महासंघ ने कहा, 'एआईएफएफ ने दिल्ली सॉकर एसोसिएशन को ईमेल के जरिए नोटिस जारी करके 19 फरवरी को खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग मैच की घटना पर स्पष्टीकरण देने को कहा है।

चौथे टेस्ट में गेंदबाजी करते दिख सकते हैं स्टोक्स

राजकोट ।
इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अब रांची में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक बार फिर गेंदबाजी करते दिख सकते हैं। मेहमान टीम को पिछले दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इससे एक बार फिर स्टोक्स के पास गेंदबाजी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। वहीं टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम भी इससे सहमत हैं पर उनका कहना है कि इस बारे में कप्तान जल्दबाजी नहीं करे क्योंकि वह हाल ही में घुटने की सर्जरी से उबरे हैं। स्टोक्स ने सर्जरी से उबरने के बाद पिछले साल जून में दूसरे एशेज टेस्ट के बाद से गेंदबाजी नहीं की है। वहीं तीसरे टेस्ट से पहले स्टोक्स ने कहा था कि उन्होंने अपने फिजियोथेरेपिस्ट से कहा है कि वह मौजूदा श्रृंखला में गेंदबाजी नहीं करेंगे पर तीसरे टेस्ट में 434 रन की हार के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी ऑलराउंडर की भूमिका दोबारा निभाएंगे तो स्टोक्स ने कहा, 'मैं हां नहीं कह रहा हूं, मैं ना भी नहीं कह रहा हूं। उन्होंने कहा, 'मैं ज्यादातर चीजों के बारे में हमेशा बहुत आशावादी रहता हूं। मेडिकल टीम के साथ विस्तृत बातचीत होगी कि मुझ पर काम का कितना बोझ है जिससे कि मुझे कोई बड़ा खतरा नहीं हो। राजकोट टेस्ट के दौरान स्टोक्स ने शत प्रतिशत क्षमता से ट्रेनिंग की थी और स्वीकार किया था कि उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है पर वह अभी गेंदबाजी के लिए अपने को फिट नहीं मानते। मैकुलम ने कहा, 'यह अच्छा है कि अब वह उस स्थिति में पहुंच रहा है जहां उसे लगता है कि वह गेंदबाजी कर सकता है। उन्होंने कहा, 'पर स्टोक्स काफी समझदार है। वह तब तक गेंदबाजी नहीं करेगा जब तक उसे नहीं लगता कि वह बेहतर गेंदबाजी कर सकता है। वहीं परेशानी तब आयेगी जब वह गेंदबाजी शुरू करेगा और फिर उसे खत्म नहीं कर पाएगा। इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है। मैकुलम ने कहा, 'हमें देखना होगा कि खतरा कहां है और उसे इससे दूर करने की कोशिश करनी होगी। लेकिन यह एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'मैं अभ्यास के एक दिन शत प्रतिशत क्षमता के साथ गेंदबाजी करने में सफल रहा जिससे मुझे काफी अच्छा महसूस हुआ। मुझे लगा कि मैं मैच में गेंदबाजी कर सकता था ।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी छाए यशस्वी जायसवाल, टॉप-15 में बनाई जगह

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में दो डबल सेंचुरी लगा चुके भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 14 पायदान की छलांग लगाई है।

यशस्वी जायसवाल को अब भारत के भवष्यि की टीम का बड़ा नाम माना जा रहा है। वर्ल्ड क्रिकेट के तमाम दिग्गज उनकी तारीफ में कसीदे पढ़ चुके हैं।

वैसे तो यह पहला मौका नहीं है, जब इस 22 साल के युवा बल्लेबाज ने सुर्खियां बटोरी है। लेकिन, इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैचों में उनकी पारी ने उन्हें पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया है। इन पारियों का यशस्वी जायसवाल को ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी फायदा मिला है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में शतक लगाने के बाद कप्तान रोहित शर्मा एक स्थान ऊपर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दूसरी पारी में शतक के करीब पहुंचने के बाद शुभमन गिल तीन स्थान आगे बढ़कर 35वें स्थान पर हैं।

वहीं, अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के बाद सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने क्रमशः 75वें और 100वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

राजकोट में प्लेयर ऑफ द मैच रवींद्र जडेजा की पहली इनिंग में 112 रन की पारी ने उन्हें बल्लेबाजों में 41वें से 34वें स्थान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने ऑलराउंडर की रैंकिंग में भी शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वह 416 से करियर के सर्वश्रेष्ठ 469 रेटिंग अंक पर पहुंच गए हैं।

इस बीच, केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात टेस्ट मैचों में सातवां शतक लगाने के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 500 टेस्ट विकेट के बाद एक स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर भारतीय टीम के अपने साथी खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह के करीब पहुंच गए हैं। जबकि, इसी सूची में जडेजा तीन स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की पहली इनिंग में 153 रन की पारी ने उन्हें 12 स्थान ऊपर उठाकर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

भारतीय मूल के आठ वर्षीय अश्वथ ने बनाया रिकॉर्ड, सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।
भारतीय मूल के अश्वथ कौशिक की उम्र सिर्फ आठ साल है, लेकिन इस उम्र में भी उन्होंने शतरंज का पाठ एक ग्रैंड मास्टर (जीएम) को पढ़ा डाला। सिंगापुर के इस बालक ने बर्गडोरफेर स्टेडथास ओपन चेस टूर्नामेंट में पोलैंड के ग्रैंड मास्टर जासेक स्टोपा को पराजित कर सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खीच लिया। अश्वथ क्लासिकल चेस में सबसे कम उम्र में किसी जीएम को हराने वाले खिलाड़ी बन गए। स्टोपा 37 वर्ष के हैं और अश्वथ से उम्र में 29 साल बड़े हैं।

पिछला रिकॉर्ड कुछ सप्ताह पहले ही बना था, जब सर्बिया के लियोनिड इवानोविच ने 60 वर्षीय बुल्गारियाई जीएम मिल्को पॉपशेव को बेलग्रेड ओपन में हराया था। इवानोविच उम्र में अश्वथ से कई माह बड़े हैं। अश्वथ की वर्तमान फिडे रैंकिंग 37,338 है। वह भारतीय नागरिक हैं और 2017 में भारत से सिंगापुर आए थे।

अपने खेल पर गर्व है: अश्वथ

अश्वथ ने कहा कि वह जिस तरह से खेले, उन्हें अपने खेल पर गर्व है। खासतौर पर एक समय वह बेहद बुरी स्थिति में थे और वहां से उन्होंने वापसी की। सिंगापुर चेस महासंघ के सीईओ और ग्रैंडमास्टर केविन गोह अश्वथ की सफलता से उत्साहित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि पिता बहुत ज्यादा मदद करने वाले हैं, बेटा समर्पित है, स्कूल भी पूरी मदद करता है, निश्चित रूप से वह नैसर्गिक प्रतिभावान है।

अंडर-8 पूर्वी एशिया चैंपियन बन चुके हैं

गोह आशा करते हैं कि अश्वथ की सफलता कई और बच्चों को शतरंज अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। अश्वथ की सफलता यह बताती है कि अगर आपके अंदर प्रतिभा है और आपको मदद मिल रही है तो शतरंज में एक युवा के सफलता पाने के अवसर काफी अच्छे हो जाते हैं। अश्वथ पहली बार सुर्खियों में तब आए थे जब वह 2022 में अंडर-8 में क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों वर्गों में पूर्वी एशिया यूथ चैंपियन बने थे। अश्वथ के पिता श्रीराम कौशिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बेटे की स्टोपा पर उलटफेर भरी जीत उनके जीवन का गौरवशाली क्षण है। गोह के मुताबिक अश्वथ का अगला लक्ष्य अपनी रेटिंग को सुधारते हुए कैंडिडेट मास्टर्स का खिताब जीतना है।

विराट-अनुष्का के घर बेटे का जन्म

5 दिन बाद सोशल मीडिया पर दी जानकारी, अकाय नाम रखा

मुंबई।
विराट कोहली और अनुष्का शर्मा फिर पेरेंट्स बन गए हैं। 15 फरवरी को अनुष्का ने बेटे को जन्म दिया। उन्होंने इसकी जानकारी 20 फरवरी को इंस्टाग्राम पोस्ट पर दी। कपल ने कहा- आपकी दुआओं की दरकार है। कृपया इस वक्त हमारी प्राइवेसी का ध्यान रखें। बच्चे का जन्म कहां हुआ है यह नहीं बताया गया है। हालांकि 13 फरवरी को इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में- 'टू बी बॉर्न इन लंदन' लिखा था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि जन्म लंदन में ही हुआ है। कपल ने बेटे का नाम अकाय रखा है। इसका अर्थ निराकार या पूर्ण चंद्रमा या पूर्ण चंद्रमा की रोशनी भी होता है। इनकी पहले से एक बेटी है। जिसका नाम वामिका है। भगवान शिव और देवी पार्वती के मिले-जुले स्वरूप को वामिका कहा जाता है।

डिविलियर्स ने किया था पिता बनने की खबर का खुलासा - कुछ दिन पहले साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब लाइव स्ट्रीम में कोहली के पिता बनने की खबर का खुलासा किया था। एबी ने कहा था कि कोहली पिता बनने वाले हैं और वे परिवार के साथ हैं। इसीलिए उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ब्रेक लिया है। बाद में डिविलियर्स ने कोहली की प्राइवेसी लीक करने पर माफी मांगी थी और अपने बयान को अपनी बहुत बड़ी गलती बताया था।

बेटे के जन्म के 2 दिन पहले हर्ष गोयनका ने भी दी जानकारी - इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने 13 फरवरी को ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी थी कि अनुष्का लंदन में दूसरे बच्चे को जन्म देंगी।

हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में लिखा था- अगले कुछ दिनों में एक नया बेबी पैदा होगा! आशा है कि बच्चा महान क्रिकेटर पिता की तरह भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। या फिर वह अपनी मां को फॉलो करेगा और एक फिल्म स्टार बनेगा हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में 'मेड इन इंडिया' और 'टू बी बॉर्न इन लंदन' को भी टैग किया है। उनके इस ट्वीट से लोगों को यकीन हो गया था कि अनुष्का और विराट फिर से पेरेंट्स बनने वाले हैं। इसके बाद से ही फैंस विराट-अनुष्का को बधाई देने लगे थे।

ऐड की शूटिंग के दौरान अनुष्का से हुई थी पहली मुलाकात - 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद कोहली ब्रांड्स के लिए फेवरेट चेहरा बन गए थे। इसी साल एक ऐड की शूटिंग के दौरान अनुष्का शर्मा से पहली मुलाकात हुई। नोक-झोंक से शुरू हुई बातचीत, दोस्ती और डेटिंग तक पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर शतक मारा तो पहली बार निजी जिंदगी की झलक पिच पर दिखी। शतक के बाद विराट ने स्टेडियम में बैठीं अनुष्का को फ्लाइंग किस दिया। यह दुनिया के सामने अपने रिश्ते का ऐलान था।

शादी के 3 साल बाद बेटी वामिका का जन्म हुआ था - विराट-अनुष्का ने 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी की थी। शादी के 3 साल बाद 2020 में अनुष्का ने प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। 2021 में अनुष्का शर्मा ने बेटी वामिका को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में जन्म दिया था।

पहली बार स्टैंड्स में नजर आई थीं विराट-अनुष्का की बेटी वामिका - कपल बेटी को हमेशा लाइमलाइट से दूर रखते हैं। उन्होंने अभी तक सोशल मीडिया पर बेटी का चेहरा नहीं दिखाया है। हालांकि दो साल पहले भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए मैच को देखने अनुष्का अपनी बेटी के साथ स्टेडियम पहुंची थीं।

हर रोज करिए 15 मिनट योग, कभी नहीं होंगे डिप्रेशन के शिकार

बोस्टन, एजेंसी। हफ्ते में दो बार योग और प्राणायाम करने से अवसाद के लक्षणों से उबरने में मदद मिलती है। इसका असर अवसाद की दवा लेने या नहीं लेने वाले पर समान रूप से होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन से इस तथ्य को बल मिलता है कि योग, अवसाद का दवाओं से इलाज का विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं दवाओं से इलाज के साथ-साथ योग की पद्धतियां अपनाकर उपचार को और कारगर बनाया जा सकता है।
अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस स्ट्रीटर ने कहा कि अवसाद के विकार को दूर करने में योग या प्राणायाम काफी मददगार होता है। जर्नल ऑफ ऑल्टरनेटिव एंड कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में आयंगर योग (योग का एक रूप) का इस्तेमाल किया गया, जिसमें आसन एवं श्वसन नियंत्रण में बारीकियों पर ध्यान दिया जाता है।

भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने बनाई कैंसर की आयुर्वेदिक दवा

भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र (बार्क) के परमाणु ऊर्जा वैज्ञानिकों ने कैंसर रोगियों के लिए आयुर्वेदिक दवा का आविष्कार किया है। यह दवा फेफ ?ों और त्वचा के कैंसर के लिए बहुत असरकारी साबित हुई है। जैव कार्बनिक विभाग के वैज्ञानिक डॉ. वीएस पात्रो ने सोमवार को बताया कि बार्क में करीब तीन दशकों से आयुर्वेदिक औषधियों से कैंसर के उपचार पर शोध चल रहा है। इसमें कैंसर को लेकर दो महत्वपूर्ण दवाओं को खोजने में सफलता हासिल हुई है। एक दवा कीमोथैरेपी के दुष्प्रभावों और पी ?ा को कम करने के लिए है, जबकि दूसरी दवा रेडियोथेरेपी के दुष्प्रभावों को कम करती है। इसके अलावा बार्क के वैज्ञानिकों ने परमाणु दुर्घटना की स्थिति में अतिशय विकिरण के शिकार रोगियों के उपचार के लिए भी एक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है।
मामूली कीमत पर मिलेगी दवा : डॉ. पात्रो ने बताया कि दुनिया में पहली बार खाने वाली गोली की शक्ल में कैंसर की औषधियां तैयार की गई हैं। इन सभी दवाओं की कीमत बहुत मामूली होगी।

पालन-पोषण

बच्चों को खाना खिलाने अपनाएं ये तरीके

छोटे बच्चों को बाजार की चीजें अधिक पसंद होती हैं। अक्सर बच्चे प्लेट में चावल, दाल, रोटी सब्जी देखकर खाने से मना कर देते है। ऐसे में उन्हें खाना परोसने और उनके लिए खाना बनाने में ये तरीके अपनाने चाहिए। बच्चे के खाने को आकर्षक तरीके से परोसें। ऐसा करने से आपकी बेहद साधारण डिश को भी बच्चा पूरे उत्साह के साथ खाएगा। बच्चों को रंग पसंद होते हैं।

कोशिश करें कि उनके खाने में तरह-तरह के रंग शामिल हों। साथ ही उन्हें तरह-तरह के शेप में बना डिश परोसें। अपने बच्चे के ऐसे दोस्तों को खाने पर घर बुलाएं जो खाने के मामले में नखरेबाज नहीं हैं। अपने दोस्तों को खाता देखकर आपका बच्चा भी अपने नखरे कम कर देगा। अगर आपका बच्चा हेल्दी और फिट है। उसकी लंबाई और वजन उम्र के हिसाब से ठीक है, तो खाने की उसकी आदतों की वजह से आप चिंता करना बंद कर दें। आप उसे किसी चीज को खाने के लिए जितना ज्यादा कहेंगी, वह उस खाने से उतना ही दूर भागता जाएगा।

खाना खाने के अनुभव को अपने बच्चे के लिए मजेदार बनाएं ताकि वह इस वक्त का बेसब्री से इंतजार करे। आप उसे खाने से जुड़ी कोई मजेदार कहानी सुना सकती हैं या फिर उसे बता सकती हैं कि आपको कोई चीज बचपन में पसंद नहीं थी, तो आपकी मां ने आपको वह डिश खिलानी कैसे शुरू की। पूरा परिवार एक साथ खाना खाए, इसे घर का नियम बनाएं। सबसे जरूरी यह है कि आप खुद हेल्दी खाना खाएं ताकि बच्चा आपको देखकर खुद में अच्छी आदतें विकसित कर सके।

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को वही खाना दिया जाए, जो डाइनिंग टेबल पर दूसरे लोग खा रहे हैं। अगर बच्चे के सामने आप विकल्प रखेंगी, तो वो नखरे ज्यादा करेगा। बच्चे को कोई खास चीज खाने की आदत न डलवाएं। शुरुआत में तो आपको परेशानी नहीं होगी, पर कुछ दिनों बाद देखेंगी कि बच्चा कोई और चीज खाने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा है। खाने के मामले में उसके नखरों को शुरुआत से ही ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

युवाओं में बढ़ा शॉपिंग का फैशन

मानते है इससे कम होता है तनाव

आजकल युवा ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर मॉल या बाजार में जाकर अपनी पसंद की चीजों की खरीददारी करते हैं। अक्सर उनका मानना होता है कि शॉपिंग, तनाव को दूर करने का कारगर टूल होता है। ऐसे में तनाव को दूर करने के लिए युवाओं में शॉपिग करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। हालांकि कई मामलों में शॉपिंग तनाव करने का काम करने करती है, लेकिन अगर ये लत बन जाए, तो तनाव को कम करने के बजए बढ़ा सकती है। शॉपिंग करने से तनाव कम कैसे होता है, इसके बारे में मनोविज्ञानियों की राय है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे पास खुद के लिए समय ही नहीं होता। धीरे-धीरे हमारा सामाजिक दायरा खत्म होता जाता है। शॉपिंग अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति को समाज से जोड़ती है, ऐसे में लोगों को ऐसा लगने लगता है कि शॉपिंग स्ट्रेस बस्टर है।

माहौल में बदलाव

प्रायः लोगों के साथ ऐसा होता है कि रोजमर्रा की जीवनशैली बहुत उकताऊ सी हो जाती है। ऑफिस, रूटीन काम और फिर वापस घर। इसलिए शॉपिंग लोगों के माहौल में बदलाव लाती है। वह बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान भी कुछ देर के लिए रोजना की उबाऊ जिंदगी से हट जाता है। अधिकांश लोगों के साथ ये समस्या होती है कि वे बदलते जमाने से कदमताल नहीं कर पाते। उन्हें बाहर के बारे में जो भी जानकारी मिलती है, वह भी अखबार, मैगजीन या इंटरनेट के द्वारा। ऐसे में वह हीन-भावना से ग्रसित हो जाता है, क्योंकि चीजों के बारे में जानकारी न होने के कारण लोगों के बीच में बैठने से कतराने लगता है।

» शॉपिग आत्मविश्वास बढ़ाने में भी कारगर साबित होती है। शॉपिंग के दौरान प्राय मनपसंद चीज की खरीदारी तनावमुक्त करती है। वह किसी को बीती बातों व कड़वी स्मृतियों से मुक्त करती है। अपनों को करीब लाने लिए की गई खरीदारी आपको उनके और करीब लाती है। उपहार खरीदकर देना संबंधित व्यक्तियों से भावनात्मक रूप से जोड़ता है और आपके संबंधों का मजबूत बनाता है।

» महिलाएं प्राय समूह में खरीदारी करने जाती हैं। वे खूब मोलभाव करती हैं, वेरायटी देखती हैं और चीजों को चुनने में अधिक समय लगाती हैं। इस बीच वे आपसी सुख-दुख और घर-परिवार के हालात पर भी चर्चा करती रहती हैं। एक दूसरे से बातें करने से तनाव कम होता है। आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली का चलन बढ़ा है। जिसकी वजह से अकसर लोग अकेलापन महसूस करते हैं। शॉपिंग उनके लिए लोगों से मिलने और उनके सुख-दुख में शामिल होने का माध्यम भी बन जाती है।

» मनोवैज्ञानिकों का ये मानना है कि जिन लोगों की कोई हॉबी नहीं होती, अक्सर उनके लिए शॉपिंग तनाव दूर करने का प्रमुख माध्यम बन जाती है। मनोवैज्ञानिक यह भी सलाह देते हैं कि अपनी हॉबी जरूर बनाएं, भले ही वह बागवानी हों, किताबों या म्यूजिक का कलेक्शन करना या फिर कोई वाद्ययंत्र बजना ही क्यों न हो।

» अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना भी एक बीमारी है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो किसी को भी हो सकती है। इस बीमारी को इंपल्स कंट्रोल डिसॉर्डर कहते हैं। यह क्लिप्टोमेनिया या पाइरोमेनिया जैसी बीमारियों की तरह ही होती है। इस रोग में लोग अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते हैं।

» कई बार देखा गया है कि लोग दिखावे में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि आमतौर पर कई लोग शॉपिग के इस फोबिया के शिकार हो जाते हैं। वह दूसरे की खरीदारी को देखकर अवसाद या डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं। वह अमुक व्यक्ति से खरीदारी के मामले में तुलना करने लगते हैं।

» वर्तमान में आम आदमी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पर्सनल मनी फ्रेंड के तौर पर करता है। ऐसे में आम आदमी बिना इस बात की चिंता किए कि जेब में पैसा हैं या नहीं, वह खरीदारी करता रहता है। इसकी वजह से लोग अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। बाद में ज्यादा बिल आने पर लोगों के लिए डिप्रेशन का कारण बन जाता है।

» अक्सर लोग कुछ देर की संतुष्टि के लिए शॉपिंग करते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने उम्मीद से ज्यादा खरीदारी कर ली है और वह इसे लेकर आत्मग्लानि का शिकार हो जाते हैं। वह कहते हैं कि जरूरी है कि आप ध्यान, व्यायाम करें और साथ ही अनावश्यक खरीदारी की आदत पर स्वयं नियंत्रण रखे।

पैरेंटिंग टिप्स

नहीं है फ्रिज तो भी खराब नहीं होगी ये चीजें

मौसम बदल गया है और गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा टैंशन तब हो जाती है जब फ्रिज अचानक खराब हो जाए। इसके लिए परेशान करने वाली बात यह है कि फ्रिज में रखा खाना या और जरूरी चीजों को खराब होने से कैसे बचाया जाए। गर्मियों में तो कोई भी खाने की चीज फ्रिज के बिना नही रखी जा सकती। ऐसे में कुछ स्मार्ट टिप्स अपना कर इन चीजों को सही तरह से रख सकते हैं।

1. **दूध :** फ्रिज के बिना दूध को ठीक रखना है तो इसे उबाल कर रखें। उबाल कर रखा हुआ दूध जल्दी खरीब नहीं होता। जिस जगह पर दूध रख रहे हैं वहां पर पंखा चला दें।

2. **दही :** फ्रिज के बिना दही खट्टा हो जाता है। इसके बैक्टीरिया और भी जल्दी पनपने लगते हैं,जिससे स्वाद खराब हो जाता है। इसके लिए दही में 2-3 चम्मच शहद डाल दें। इसके बाद बिना फ्रिज के भी खराब नहीं होगा।

3. **जैम और सॉस :** फ्रिज में जगह की कमी के कारण जैम और सॉस की बोतल रखने की जगह नहीं रहती। इसके लिए आसान उपाय है कि कि जैम की बोतल को ठंडे पानी में रखें। जिससे यह खराब नहीं होगे।

4. **आटा :** कई बार टाइम की कमी के कारण हम ज्यादा आटा गूंथ लेते हैं। इसे फ्रिज में रखें बिना खराब हो जाता है। आप आटे को पॉलीथीन में अच्छे से कवर कर लें और इसे ठंड़े पानी में रख दें। ध्यान रखें कि पानी आटा के बीच में न जाए।

खान-पान

परीक्षा देने जाने से पहले खाएं केला

अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा देने जाने से पहले दही खाना चाहिए। लेकिन परीक्षा देने से पहले अगर आप केले का सेवन करते है तो आपके लिए यह बहुत मददगार होगा। आयुर्वेद के जानकारों का ऐसा मानना है कि केले में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके आधार पर ऐसा दावा किया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि केले में याददाश्त को दुरुस्त करने वाले जबरदस्त ताकत पाई जाती है। आयुर्वेद के जानकार केला में एक दर्जन से अधिक पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो आपके शरीर को मजबूती के साथ-साथ दिमाग को भी तंदुरुस्त रखते है। इसके इस्तेमाल से ब्लडप्रेशर कंट्रोल में रहता है और गला भी कम ही सूखता है। इसलिए प्यास भी नहीं के बराबर लगती है। परीक्षा से पहले केला खाना अच्छा होता है। क्योंकि इसमें पाए जाने वाला पोटैशियम दिमाग को चुस्त और अलर्ट रखता है।

ऊर्जा के साथ-साथ, याददाश्त रहेगी मजबूत

» पोटैशियम की प्रचूरता की वजह से यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है।

» केला विटामिन बी6 का बढ़िया स्त्रोत है, जो नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है। याददाश्त और दिमाग को तेज करता है। इसमें ट्राईप्टोफान एमिनो एसिड होता है, जो हार्मोन उत्पन्न करता है। इससे तनाव दूर रहता है और मूड अच्छा रहता है। केला खाने से खून में हीमोग्लोबीन बढ़ता है। इसलिए एनीमिया के रोगियों को केला अवश्य खाना चाहिए। केले में 100 कैलोरी और दूध में 80 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने के लिए इसका इस्तेमाल जरुरी है। इसमें थाईमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन, फोलिक एसिड, विटामिन ए, बी, बी6, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते हैं, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाता है ओर शरीर में ताकत प्रदान करता है।

बिना सलाह न लें सप्लीमेंट्स बरतें सावधानियां

अक्सर युवा जिम जाने पर र सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं, पर क्या वाकई उन्हें इन सप्लीमेंट्स की जरूरत होती है। ऐसे सप्लीमेंट्स आपके लिए कितने उचित हैं और क्या आप सप्लीमेंट्स संबंधी आवश्यक सावधानी बरतते हैं?

जिम जाने का उद्देश्य

सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जिम जाने का उद्देश्य क्या है। आप फिट रहने के लिए जिम जा रहे हैं, पतला होने के लिए जिम जा रहे हैं, वहां जाकर तनाव कम करना चाहते हैं या प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने का निर्णय लिया है? यदि आप प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जा रहे हैं, तभी आपको सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत है अन्यथा आप केवल अच्छा आहार लेकर प्राकृतिक खान-पान से भी सप्लीमेंट्स की जरूरत पूरी कर सकते हैं।

प्रशिक्षक की सलाह

किसी को देख कर या किसी की होड़ में सप्लीमेंट्स का सेवन न करें। अगर आप किसी को देख कर सप्लीमेंट्स लेने के लिए उत्साहित होते भी हैं तो सबसे पहले अपने प्रशिक्षक की सलाह अवश्य लें, ताकि वह आपका सही मार्गदर्शन कर सकें।

भरोसेमंद से लें सलाह

यह भी गौर करना बहुत जरूरी है कि आप सप्लीमेंट्स के बारे में किससे सलाह ले रहे हैं। क्या वह वाकई में आपकी सेहत को ध्यान में रख कर सलाह दे रहा है। कोशिश करें कि सप्लीमेंट्स लेने के बारे में उसी व्यक्ति की बात मानें, जो भरोसेमंद हो।

बिल अवश्य लें

वर्कआउट वंडर्स जिम के प्रमुख व कोच जोगिन्दर सिंह सलूजा बताते हैं कि आजकल नकली सप्लीमेंट्स भी बहुत मिलते हैं, इसलिए सस्ते के चक्कर में ऐसे सप्लीमेंट्स भूल से भी न लें। सप्लीमेंट्स अच्छी दुकान से खरीदें और उनका बिल भी जरूर लें।

इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स

हमारे देश में इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स काफी मिलते हैं। सलूजा के मुताबिक, अगर युवा ऐसे सप्लीमेंट्स लेते हैं तो ध्यान दें कि जितनी मात्रा का सेवन उसमें लिखा हो, उसका तीस प्रतिशत कम मात्रा में सेवन करें, क्योंकि विदेश का मौसम और भारत के मौसम में बहुत फर्क होता है। यहां के मौसम के अनुसार सप्लीमेंट्स की मात्रा लें। इसके लिए संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

स्विमिंग के दौरान बालों की शाईन को यूं रखें बरकरार

स्विमिंग करना हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। वहीं यदि स्विमिंग के दौरान हम अपने बालों की केयर नहीं करते तो हमें बालों की कई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। क्योंकि पानी में होने वाली गंदगी और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए क्लोरीन की काफी मात्रा स्विमिंग पूल में मिलाई जाती है। यह एक तरफ पानी को शुद्ध करने का काम करता है, तो वहीं काफी लंबे समय तक इसके पानी में रहने से पानी खराब भी हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएगें जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्विमिंग करने से पहले-

1. स्विमिंग करने से पहले आपको अपने बालों की सुरक्षा के लिए शॉवर जरूर लेना चाहिए। इससे बाल पहले ही शॉवर के पानी से गीले हो जाएगे और फिर स्विमिंग के दौरान क्लोरीन युक्त पानी से आपके बाल खराब होने से भी बच जाएगें।

2. स्विमिंग पूल में जाने से पहले आप अपने बालों में स्विमिंग कैप भी पहन सकते हैं।

3. आप अपने बालों में कंडीश्नर लगाएं। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटेंगे नहीं और साथ ही क्लोरीन युक्त पानी का असर भी बालों पर नहीं हो पाएगा।

4. यदि आपने अपने बालों पर कलर किया हुआ है तो ऐसे में आप अपने बालों पर किसी अच्छे से तेल की मसाज करके ही स्विमिंग करें क्योंकि स्विमिंग पूल में क्लोरीन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

स्वीमिंग के बाद-

1. स्विमिंग पूल से निकलने के बाद आप फिर दोबारा से शॉवर लें। इससे क्लोरीन के अंश पूरी तरह से आपकी त्वचा और बालों से निकल जाएगें।

2. स्विमिंग के पानी का असर खत्म करने के लिए आप किसी अच्छे शैम्पू का उपयोग कर क्लोरीन के असर को खत्म कर सकते हैं। आप इसकी जगह बेकिंग सोडा या सेब साइडर सिरके से भी बालों को धो सकते हैं। ये बालों की जड़ों की गदंगी को पूरी तरह से साफ कर देता है।

3. बालों को साफ करने के बाद आप या तो बालों को कंडीश्नर करें या फिर तेल की मसाज करें। अगर हो सके तो आप अपने बालों में ऐलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

रिबन पकौड़ा

» 1 कप चावल का आटा
» 2 चम्मच बेसन
» 2 चम्मच चना दाल पाऊडर
» 1/2 चम्मच अचवाइन
» 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर
» नमक स्वादानुसार
» तेल आवश्यकतानुसार

विधि

1. सबसे पहले एक कटोरे में चावल का आटा, नमक, बेसन, चना दाल पाऊडर, अजवाइन, लाल मिर्च पाऊडर और 2 चम्मच तेल डाल कर अच्छी तरह मिला लें।
2. अब थोड़ा थोड़ा पानी मिलाकर चकली के आटे की तरह गूथ लें।
3. इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। अब चकली मशीन में रिबन पको?ा बनाने वाला साचे को सेट करें। फिर उसमे आटे को भर कर गरम तेल में मशीन को हाथ से दबाते हुए लम्बा लम्बा गुमते हुए रिबन पकौड़ा बनाएं।
4. पकौड़ों को दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें।
5. आपका रिबन पकौड़ा तैयार है।

होममेड मसाला ओट्स

» 2 कप ओट्स » 1/2 प्याज
» 1 चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट
» 1/2 चम्मच राई
» 4 कढ़ी पत्ते » 2 हरी मिर्च
» 1 टमाटर » 1 चुटकी हल्दी » 1 चम्मच गर्म मसाला
» 2 गाजर » 100 ग्राम बींस
» 1/2 शिमला मिर्च » 1 चम्मच तेल » नमक स्वादानुसार

विधि

1. एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, कढ़ी पत्ते भूनें। 2. फिर प्याज हल्का ब्राउन होने तक भूनें। 3. इसके बाद अदरक लहसुन पेस्ट डाल कर 3 मिनट पकाएं। 4. एक अलग पैन में गाजर, बींस, शिमला मिर्च थोड़ा पानी और तेल डालकर गलने तक पकाएं। 5. अब प्याज भूने हुए पैन में कटे टमाटर, नमक, हल्दी और गर्म मसाला पाउडर डालें। 6. फिर इसमें पकी हुई सब्जियां पानी से छानकर डालें और अच्छे से हिलाएं। 7. इसमें ओट्स डाल कर ऊपर से सब्जियों का पानी डालें। 8. सारे मिक्सचर को अच्छे से हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 9. मसाला ओट्स तैयार हैं आप इसे हरे धनिए सो गार्निश करके सर्व कर सकते है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**